

तुषार मेहता 3 साल के लिये फिर सॉलिसिटर जनरल नियुक्त

नई दिल्ली, 21 जून। केन्द्र सरकार ने तुषार मेहता को भारत के सॉलिसिटर जनरल के रूप में तीन साल के लिए फिर से नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी होगी। यह उनकी तीसरी बार पुनर्नियुक्ति है। इससे पहले दो बार उनका कार्यकाल बढ़ाया जा चुका है।

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा जारी एक आदेश के

यह उनका लगातार तीसरा कार्यकाल है। पहली बार वे 2018 में सॉलिसिटर जनरल बने थे।

अनुसार, कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने देश के दूसरे सर्वोच्च विधि अधिकारी के रूप में तुषार मेहता के पद पर बने रहने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मेहता को, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के रूप में सेवा देने के बाद, अक्टूबर 2018 में सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया गया था। केन्द्र सरकार ने बाद में उन्हें 1 जुलाई, 2020 से प्रभावी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कतर के प्रयास से अमेरिका -ईरान वार्ता स्विटजरलैंड में शुरू हुई

बुर्गनस्टॉक (स्विट्जरलैंड), 21 जून। स्विट्जरलैंड के बुर्गनस्टॉक में अमेरिका और ईरान के बीच महत्वपूर्ण वार्ता का नया दौर शुरू हो गया है। इस बातचीत को पश्चिम एशिया में जारी तनाव को कम करने और क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वार्ता प्रक्रिया में कतर की सक्रिय भूमिका सामने आई है, जबकि कुछ रिपोर्टों में अन्य मध्यस्थ देशों के सहयोग का भी उल्लेख किया गया है।

कतर के विदेश मंत्रालय ने उम्मीद जताई है कि यह संवाद दोनों देशों के बीच लंबित मुद्दों पर व्यापक और स्थायी समाधान का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। कूटनीतिक हलकों में इस बैठक को लंबे समय से चली आ रही असहमतियों को कम करने के

अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि हाल के कुछ घंटों में समझौते को लेकर अच्छी प्रगति हुई है।

प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बातचीत को सकारात्मक बताते हुए कहा कि हाल के घंटों में अच्छी प्रगति हुई है और दोनों पक्ष शांति एवं स्थिरता की दिशा में आगे बढ़ने की इच्छा जता रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका भविष्य में ऐसे पश्चिम एशिया की कल्पना करता है, जहां सहयोग, आर्थिक विकास और स्थिरता को

प्राथमिकता मिले।

वेंस के अनुसार, अमेरिकी नेतृत्व क्षेत्र में दीर्घकालिक कूटनीतिक समाधान को बढ़ावा देना चाहता है। उन्होंने संकेत दिया कि आने वाले वर्षों में पश्चिम एशिया की राजनीतिक और रणनीतिक परिस्थितियों में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर दिए एक बयान में ईरान के साथ संभावित समझौते और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों का उल्लेख किया।

उन्होंने होर्मुज्ज जलडमरूमध्य से जुड़े आर्थिक उपायों पर भी विचार व्यक्त किया, हालांकि वर्तमान युद्धविराम अवधि के दौरान किसी नए शुल्क की संभावना से इनकार किया गया है।

नीट परीक्षा से पूर्व हिसार में छात्रा ने आत्महत्या की

चंडीगढ़, 21 जून। हरियाणा के हिसार में रविवार को नीट परीक्षा से पहले एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। 19 वर्षीय मृतका की पहचान सिमरन के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बरवाला क्षेत्र के द. 11 गी खान बहादुर गांव की निवासी थी। हिसार पुलिस को दिए

सिमरन ने घर पर रखा कीटनाशक पी लिया था।

बयान में पिता रोहाताश ने बताया कि सिमरन मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाना चाहती थी। सिमरन राजस्थान के सीकर में रहकर नीट की तैयारी कर रही थी और वह इससे पहले दो बार नीट परीक्षा दे चुकी थी। पहले प्रयास में वह सफल नहीं हो सकी थी, जबकि दूसरी बार परीक्षा रह गई थी। इसके बावजूद उसने हार नहीं मानी और पूरी मेहनत के साथ दोबारा तैयारी में जुटी हुई थी।

रविवार सुबह सिमरन और उसकी मां शकुंतला घर पर ही थीं। सुबह करीब 10 बजे सिमरन को अचानक तेज उल्टियां होने लगीं। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे गांव के एक स्थानीय डॉक्टर के पास ले गए, जहां उसे (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत की प्राचीन परम्परा योग, अब दुनिया की जीवनशैली का हिस्सा बन गया है- मोदी

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री ने कोलकाता के रेड रोड पर योग किया

कोलकाता, 21 जून। कोलकाता के रेड रोड पर 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योगाभ्यास में भाग लिया। उनके साथ पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी, राज्यपाल आरएन रवि, राज्य सरकार के मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष रथीन्द्रनाथ बसु, विधायक, छात्र-छात्राएं, खिलाड़ी, योग साधक तथा विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। प्रधानमंत्री के दौरे और योग दिवस के मुख्य आयोजन को लेकर पूरे इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार सुबह रेड रोड पहुंचे और मंच से देशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि योग सभी को जोड़ने का माध्यम है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि योग को केवल एक दिन के कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखना चाहिये। इसे रोजमर्रा के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिये।

और आज 21 जून दुनिया के सबसे बड़े

पर्वों में परिवर्तित हो चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि योग भारत की प्राचीन परंपरा होने के बावजूद, अब पूरी दुनिया की जीवनशैली का हिस्सा बन रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में हिमालय से हिंद महासागर तक, पूर्वोत्तर और बंगाल से लेकर पश्चिम में सौराष्ट्र तक योग की ऊर्जा दिखाई दे रही है।

उन्होंने पश्चिम बंगाल की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह श्री अरविंद, स्वामी विवेकानंद और श्री रामकृष्ण परमहंस की भूमि है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस धरती पर योग

दिवस का आयोजन विशेष महत्व रखता है। उन्होंने श्री अरविंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि श्री अरविंद ने अपने पूरे जीवन को योग से जुड़ा बताया था और योग वास्तव में मानव चेतना से जुड़ने का मार्ग है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि योग को केवल एक दिन के कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखना चाहिए। इसे रोजमर्रा के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। उन्होंने कहा कि योग स्वस्थ जीवन जीने में सहायता करता है और मानसिक स्वास्थ्य के साथ शारीरिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाए (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

होर्मुज्ज बंद किया तो ईरान पर हमला करेंगे- ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि वे होर्मुज्ज पर कब्जा करके खुद टोल वसूलेंगे

वॉशिंगटन, 21 जून। स्विट्जरलैंड के बर्गनस्टॉक में, जहां एक ओर पाकिस्तान और कतर की मध्यस्थता में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत हो रही है, वहीं दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दे दी है।

ट्रंप ने साफ-साफ कहा कि अगर ईरान ने होर्मुज्ज जलडमरूमध्य को बंद करने की जुरत की, तो उसका अस्तित्व ही संकट में पड़ जाएगा। ट्रंप ने कहा, आप इसे बंद करेंगे तो आपके पास कोई देश नहीं बचेगा। आप अपने देश वापस भी नहीं जा पाएंगे।

राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट किया कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका इस रणनीतिक जलमार्ग पर पूरी तरह नियंत्रण कर सकता है। उन्होंने एक

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका होर्मुज्ज का रक्षक बन सकता है। बदले में वहाँ से निकलने वाले कुल तेल का 20 प्रतिशत अमेरिका अपने पास रखेगा।

कैबिनेट बैठक के दौरान कहा, अगर हम जरूरत पड़ीं, तो हम होर्मुज्ज जलडमरूमध्य पर कब्जा करेंगे। अगर वे कोई समझौता नहीं करते हैं, तो हम खुद वहाँ से गुजरने वाले जहाजों से टोल टैक्स वसूलेंगे। डॉनल्ड ट्रंप का यह बयान ईरान के उस हालिया कदम के बाद आया है, जिसमें उसने इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को बंद करने की बात कही थी।

ट्रंप ने अमेरिका की भूमिका को एक नए अंदाज में पेश किया। उन्होंने

कहा कि अमेरिका इस पूरे क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए होर्मुज्ज जलडमरूमध्य का गार्डियन एंजेल यानी रक्षक बन सकता है। इसके बदले में अमेरिका वहाँ से निकलने वाले कुल तेल का 20 प्रतिशत हिस्सा अपने पास रखेगा। ट्रंप ने साफ किया कि अगर वैश्विक व्यापार को बाधित करने की कोशिश की गई, तो अमेरिकी सेना चुप नहीं बैठेगी। खाड़ी देशों से तेल की आपूर्ति को सुरक्षित रखना अमेरिका की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पूर्व मुख्यमंत्री विजयन की पुत्री को ईडी ने फिर समन भेजा

कोलकाता, 21 जून। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की बेटी वीणा टी की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सीएमआरएल मनी लॉण्डरिंग मामले में वीणा को दोबारा समन जारी

गत 17 जून को ईडी ने वीणा टी से 9 घंटे पूछताछ की थी।

कर 29 जून को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। इससे पहले, ईडी ने 17 जून को उनसे नौ घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की थी। अब एजेंसी ने जांच के दौरान मिले नए तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर फिर से उन्हें तलब किया है। इस मामले को लेकर केरल की राजनीति भी गरमा गई है और विपक्ष लगातार राज्य सरकार पर निशाना साध रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोकसभा से इस्तीफा देने की सोच रहे हैं बारामूला के सांसद इंजीनियर राशिद

राशिद का मानना है कि वे मतदाताओं की उम्मीदों पर प्रभावी ढंग से खरे नहीं उतर पा रहे हैं

श्रीनगर, 21 जून। जम्मू-कश्मीर की राजनीति से इस वक्त एक बेहद चौकाने वाली और बड़ी खबर सामने आ रही है। बारामूला लोकसभा सीट से रिक्तोंद मत्तों से जीत हासिल करने वाले सांसद इंजीनियर राशिद संसद की सदस्यता से इस्तीफा दे सकते हैं। उनकी पार्टी अनामी इतेहाद पार्टी (एआईपी) ने इस बात के संकेत दिए हैं। इंजीनियर राशिद का मानना है कि जिन लोगों ने उन्हें इतना बड़ा जनादेश देकर जिताया, वे उनके बीच रहकर उनकी उम्मीदों पर प्रभावी ढंग से खरे नहीं उतर पा रहे हैं। इसी वजह से वे पद छोड़ने पर विचार कर रहे हैं।

एआईपी के मुख्य प्रवक्ता इनाम उन नबी की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, पार्टी

अंतिम निर्णय से पहले राशिद की पार्टी एआईपी दो दिन तक बारामूला लोकसभा सीट के 18 विधानसभा क्षेत्रों में ब्लॉक व पंचायत स्तर पर जनता का मूड भांपेगी, उसके बाद राशिद अंतिम निर्णय लेंगे।

की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएस) ने इस मुद्दे पर लंबी और गंभीर चर्चा की है। इसके बाद यह तय किया गया है कि बारामूला संसदीय क्षेत्र के सभी 18 विधानसभा क्षेत्रों में जाकर पार्टी पदाधिकारियों और जमीनी कार्यकर्ताओं से बातचीत की जाएगी।

यह पूरी परामर्श प्रक्रिया दो दिनों तक चलेगी। इस दौरान ब्लॉक और पंचायत स्तर के नेता न सिर्फ आपस में चर्चा करेंगे, बल्कि आम जनता और समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच

जाकर उनका मूड भी भांपेंगे। इनाम उन नबी ने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष और दबाव मुक्त रखने के लिए, पार्टी जकरत पड़ने पर अपने कार्यकर्ताओं के बीच सिक्रेट बैलेंट (गुप्त मतदान) भी करा सकती है। इससे कार्यकर्ता बिना किसी झिझक के अपनी असली राय दे सकेंगे कि इंजीनियर राशिद को सांसद पद पर बने रहना चाहिए या इस्तीफा दे देना चाहिए। पार्टी प्रवक्ता ने साफ किया कि इस पूरी रायशुमी और वोटिंग का जो भी

नतीजा निकलेगा, उससे इंजीनियर राशिद को लिखित में अवगत कराया जाएगा। इसके बाद ही वे कोई अंतिम और ठोस फैसला लेंगे।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर इंजीनियर राशिद इस्तीफा देते हैं, तो कश्मीर की राजनीति में एक बार फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिल सकता है।

भाषण के बीच नारेबाजी पर खड़गे ने नाराजगी जताई

बेंगलुरु, 21 जून। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के नवनियुक्त अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद के पदभार ग्रहण समारोह के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कार्यकर्ताओं की नारेबाजी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान लगातार नारेबाजी से असंतुष्ट खड़गे ने कुछ कार्यकर्ताओं को फटकार लगाते हुए उन्हें "यूजलेस फेलोज" तक कह दिया।

बेंगलुरु के पैलेस ग्राउंड पर आयोजित समारोह में खड़गे मंच से संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान कुछ कार्यकर्ता और मुख्यमंत्री डीके

कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थक लगातार नारे लगा रहे थे।

शिवकुमार के समर्थक लगातार "डीकेसी, डीकेसी" के नारे लगा रहे थे। बताया जाता है कि स्वयं डीके शिवकुमार ने भी कार्यकर्ताओं से शांति रहने की अपील की, लेकिन नारेबाजी जारी रही। अपने संबोधन में लगातार बाधा पड़ने से खड़गे ने नाराजगी जताई। खड़गे ने कहा कि यहां इस तरह चिल्लाने से देश आपके हाथ में नहीं आ जाएगा। यूजलेस फेलोज! उन्होंने स्पष्ट किया कि यह किसी एक व्यक्ति का कार्यक्रम नहीं, बल्कि कांग्रेस पार्टी का कार्यक्रम है।

खड़गे ने कहा कि यह पार्टी को एकजुट करने का कार्यक्रम है। केवल एक नेता के नाम के नारे लगाने से क्या (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या इज़रायल का अमेरिका से विलग होकर स्वतंत्र विदेश नीति रखना एक खयाली पुलाव है?

इज़रायल की सेना के लगभग सभी हथियार अमेरिका की देन हैं। यह ही हाल गोला बारूद का है

सीजेपी ने कहा कि रविवार रात को भी प्रदर्शन जंतर मंतर पर जारी रहेगा।

अपना प्रदर्शन जारी रखेगी। अभियान के प्रमुख अभिजीत दिपके लगातार लोगों से उनके अभियान से जुड़ने की अपील कर रहे हैं। रविवार को दिपके ने दिल्ली से सटे राज्यों के लोगों से जंतर-मंतर पर किए जा रहे प्रदर्शन में शामिल होने का आ इना किया है। कांक्रोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दिपके ने एक्स पर जारी वीडियो में कहा, "नाओ और नैवर" (अब नहीं तो कभी नहीं)। अगर आज आप लोग घरों से बाहर नहीं निकले, तो सिस्टम को बदलने और जवाबदेही लाने की जो उम्मीद इस देश में जगी है, वह हमेशा के लिए मर जाएगी।

सीजेपी प्रमुख ने कहा कि पुलिस किसी को रोक नहीं रही है, सभी को अंदर आने दिया जा रहा है। मैं दिल्ली पुलिस को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि वे संविधान का पालन कर रहे हैं और (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

-जाल खंडना- -राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 21 जून। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे. डी. वेंस की एक तीखी चेतावनी ने यरूशलम और उससे बाहर लंबे समय से उठ रहे एक सवाल को फिर से चर्चा में ला दिया है-इज़रायल अमेरिकी सैन्य समर्थन पर कितना निर्भर है और यदि यह समर्थन कभी कम कर दिया जाए तो क्या वह उससे निपट पाएगा?

वेंस का संदेश इज़रायली मंत्रिमंडल के लिए सीधा था-अपने सबसे करीबी सहयोगी के खिलाफ मत जाइए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि इज़रायल की रक्षा करने वाले अधिकांश हथियार अमेरिका में बनाए और फंड किए गए हैं।

उनकी यह टिप्पणी इज़रायली अधिकारियों द्वारा ईरान के साथ यू.एस. की मध्यस्थता वाली अंडरस्टैंडिंग के बाद और यू.एस.- ईरान शांति समझौते के बाद पैदा हुए तनाव के बाद आई।

दोनों देशों के बीच तनाव की जड़ उस 14-सूत्रीय अंतरिम समझौते में है, जिस पर वॉशिंगटन ने तेहरान के साथ हस्ताक्षर किए थे। इज़रायल के

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने तुरंत घोषणा कर दी कि इस समझौते का इज़रायल पर कोई प्रभाव नहीं है। वहीं रक्षा मंत्री इज़रायल कैटज़न ने सेना को निर्देश दिया कि यदि आवश्यकता पड़े तो ईरान के परमाणु ठिकानों पर एकतरफा हमले की योजना तैयार की जाए।

इस दिखाने के बावजूद, वास्तविकता यह है कि रक्षा मामलों में पूर्ण संप्रभुता के बजाय एक दूसरे पर गहरी निर्भरता है। 1948 में स्थापना के बाद से इज़रायल को अमेरिका से 130 अरब डॉलर से अधिक की सैन्य सहायता मिल चुकी है। 2019 से अमेरिका फॉरेन मिलिटरी फायनैंसिंग प्रोग्राम के तहत हर वर्ष लगभग 3.8 अरब डॉलर की सहायता दे रहा है, जो इस योजना के तहत किसी भी देश को दी जाने वाली सबसे बड़ी राशि है।

ध्यान देने योग्य बात यह है कि इज़रायल को इस घन का अधिकांश हिस्सा अमेरिका निर्मित हथियारों और सैन्य उपकरणों पर खर्च करना पड़ता है। इसका अर्थ है कि यह पैसा अंततः अमेरिकी कारखानों और रोजगार में ही वापस चला जाता है।

अपने संस्थापन से ही, इज़रायल को अभी तक 130 बिलियन डॉलर की सैन्य सहायता मिली है अमेरिका से।

इज़रायल की वायु सेना दुनिया की श्रेष्ठ वायुसेना में गिनी जाती है, पर एफ-15, एफ-16, एफ-35 तथा अपाचे लड़ाकू हवाई जहाज, ब्लैक हॉक्स आदि भी अमेरिकी मूल के हैं। यह ही नहीं, इन आधुनिक विमानों के स्पेयर पार्ट्स भी अमेरिका से आते हैं।

इस प्रकार इज़रायल अमेरिका पर आश्रित है, अपनी सेना को "फाइटिंग फिट" रखने के लिए। अगर यह सप्लाई बन्द हो जाये तो इज़रायल की सेना के लिए युद्ध में बने रहना असंभव है।

ये हथियार बनाना भी काफी मंहगा ही विकल्प है। इज़रायल ने 1980 के दशक में अपना ही लड़ाकू विमान बनाने का प्रयास किया था, जिसमें उनकी जी. डी. पी. का 20 प्रतिशत हिस्सा खर्च हुआ था, पर फिर यह प्रोजेक्ट अधूरा ही छोड़ना पड़ा था, क्योंकि आगे विमान विकसित करने के लिए धन उपलब्ध नहीं था।

इस प्रकार इज़रायल की सामरिक व्यवस्था अमेरिका के साथ गुथी हुई है, जिसका विलग होना केवल कल्पना तक ही सीमित है।

साथ ही दोनों देश महसूस करते हैं कि उन्हें एक दूसरे की जरूरत है तथा, इज़रायल के लिए अमेरिका से जुदा विदेश नीति की कल्पना कभी यथार्थ में तब्दील नहीं हो सकती।

ब्राउन विश्वविद्यालय के शोध के अनुसार, 2023 के अंत से 2025 के अंत के बीच इज़रायल को लगभग 21.7 अरब डॉलर की अतिरिक्त आपातकालीन सहायता भी मिली। इसमें

ईरान के साथ हालिया संघर्ष और लेबनान में सैन्य अभियानों की लागत शामिल नहीं है। दुनिया की सबसे सक्षम वायु सेनाओं में गिनी जाने वाली इज़रायल

की वायु शक्ति मूल रूप से अमेरिकी रक्षा उद्योग पर आधारित है। उसके सभी प्रमुख लड़ाकू विमान-एफ-15, एफ-16 और एफ-35 तथा अपाचे हेलीकॉप्टर, ब्लैक हॉक और हवाई

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। -अज्ञात

आग चाहिए, जोखिम नहीं प्रमथ्यु की प्रतीक्षा में बैठा समाज

हम कुछ मित्र हर शाम एक पार्क में मिलते हैं। अपने सुख दुख की बातें करते हैं, हंसी मजाक करते हैं, दुनिया जहान की बातें करते हैं। बातचीत में समकालीन प्रसंग भी आ ही जाते हैं। देश और दुनिया में इतना कुछ घटित होता रहता है, उससे अछूता और अप्रभावित रहना लगभग नामुमकिन होता है। कभी प्रशाचार की तो कभी बेरोजगारी की, कभी पेपर लीक की तो कभी मंदिर के तथाकथित आर्थिक चोटाले की, कभी सांप्रदायिकता की तो कभी स्त्रियों के प्रति दुर्व्यवहार की, कभी अताकिंक गोपनीयता की तो कभी उजागर हुए घपलों की या ऐसे ही किसी मुद्दे की चर्चा होने लगती है। हर चर्चा में बहस होती है, उत्तेजन होती है, स्पष्ट रूप से पक्ष और विपक्ष होता है, लेकिन मैंने यह बात नोट की है कि अगर मुझ सरकार से जुड़ा हो तो हर बार कोई न कोई मित्र एक सवाल जरूर उठाता है: "विपक्ष क्या कर रहा है? और अगर कभी चर्चा सरकार से इतर किसी मुद्दे की चले तो एक अन्य वाक्य सुनने को मिल जाता है: "किसी को तो आगे आना चाहिए!"

जब भी ऐसा होता है, अनायास मुझे यूनानी मिथकीय चरित्र प्रमथ्यु याद आ जाता है। बहुत संक्षेप में बताऊं तो यह कि प्रमथ्यु देवताओं से अनिन चुराकर मनुष्यों को देता है। यहां अग्नि केवल आग नहीं है, वह ज्ञान, तकनीक, विवेक, सभ्यता और स्वतंत्रता की प्रतीक है। प्रमथ्यु की इस 'चोरी' के लिए देवताओं के राजा ज्यूस उसे बहुत कठोर दण्ड देते हैं। दण्ड यह है कि उसे एक चट्टान से बांध दिया जाता है और प्रतिदिन एक गिद्ध उसका कलेजा चोचता है। यह कथा हमें बताती है कि प्रमथ्यु द्वारा चुरा कर लाई हुई आग का लाभ तो पूरी मानवता ने उठाया है लेकिन दंड अकेले प्रमथ्यु ने भुगता। इस कथा को हिंदी कवि धर्मवीर भारती ने अपनी लम्बी कविता 'प्रमथ्यु गाथा' में बहुत ही प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया है। उसे तलाश करके जरूर पढ़ें।

प्रमथ्यु की यह कथा मैंने इसलिए याद की कि 'लाभ तो हम सब उठाएँ लेकिन उसका मोल कोई एक ही चुकाए' की यह मानसिकता आज की नहीं है। अगर अपने समाज को थोड़ी बारीक नज़र से देखें तो कोई भगत सिंह हो, कोई महात्मा गांधी हो, कोई जयप्रकाश नारायण हो, कोई अरुणाराय हो, कोई भी विह्वलब्लोअर हो - दूसरा ही हो। हम तो बस सवाल उठाते रहें कि अमुक क्या कर रहा है! सडक पर कचरा पड़ा हो, जो हमने ही बिखेरा है, तब भी हम सरकार को कोसने से बाज नहीं आते हैं। सडक पर अतिक्रमण होते देखते हैं, देखते क्या मौका लगते ही खुद भी कर लेते हैं, लेकिन पूछते हैं कि सरकार अतिक्रमण क्यों नहीं हटाती है। हम जात-पात, सांप्रदायिकता, धर्मांधता, बेहदगी, बदतमीजी, बेईमानी, मुनाफाखोरी, जमाखोरी सब में लिप्त रहते हैं लेकिन यह सवाल पूछने से खुद को कभी नहीं रोकते कि इस मामले में अमुक क्या कर रहा है?

कभी सोच कर देखें, सरकार क्या है, विपक्ष क्या है? क्या ये हमसे अलग हैं? भारत जैसे प्रजातंत्र में क्या हम ही सरकार नहीं हैं? क्या हम ही विपक्ष नहीं हैं? कभी हमने यह भी सोचने का कष्ट किया है कि हम क्या कर सकते थे, और हमने क्या नहीं किया! एक नागरिक के रूप में हम भी तो सूचना के अधिकार का उपयोग कर सकते हैं, हम भी तो जनहित याचिका दायर कर सकते हैं, हम भी तो प्रशाचार के विरुद्ध खड़े हो सकते हैं, हम भी तो मुनाफाखोरी के विरुद्ध बोल या लिख सकते हैं, हम भी तो पर्यावरण को बचाने में अपना योग दे सकते हैं। हम अपनी मायद भासा राजस्थान की मान्यता के लिए सरकार को गरियाते रहते हैं, लेकिन हम खुद उसे बरतने में कृपणता दिखाते हैं। हम यह कहते नहीं थकते कि आजकल लोग पढ़ते नहीं हैं, हम कभी यह सवाल नहीं करते कि हम खुद कितना पढ़ते हैं! हमारी सारी शिकायतें और सारी अपेक्षाएं दूसरों से होती हैं। दूसरों से अर्थात् सरकार से, विपक्ष से, मीडिया से, स्वयंसेवी संगठनों से, पड़ोसियों से - और भी न जाने किन-किन से। बस, अपने गिरेबां में झांकर देखने से हम चूक जाते हैं।

सरकार का या विपक्ष का या मीडिया का या धर्म का या सामाजिक संगठनों का नहीं है। मैं इन सबको थोक में क्लिन चिट नहीं दे रहा हूँ। लेकिन आपको यह सोचने के लिए कह रहा हूँ कि क्या हमारी अपनी मानसिकता यह नहीं है कि जो करना है वह कोई और करे। मेहनत कोई और कर, जोखिम कोई और उठाए, कीमत कोई और चुकाए, बदनामी कोई और सहे, पप्पू कोई और कहलाए, टॉटी चोर किसी और को कहा जाए, उपहास का पात्र कोई और बने, जेल कोई और जाए, गोली कोई और खाए। लेकिन अगर स्थितियाँ बदलकर बेहतर हो जाएँ तो उसका लाभ हम लें। तब एक पल को ही यह न सोचें, कि इस बदलाव के लिए हमने क्या किया था!

भारत एक प्रजातंत्र है। अगर हम अतीत में न भी जाएँ तो लगभग साठे सात दशक से तो प्रजातंत्र ही हो। क्या हमने कभी यह सोचा है कि केवल हर पाँचवें साल जाकर मतदान कर आना प्रजातंत्र नहीं होता है। अपने प्रजातंत्र को जिंदा और सक्रिय रखने के लिए हमें और भी काफी कुछ करना होता है। हमें सवाल पूछने होते हैं, हमें स्थानीय समस्याओं पर आवाज़ उठानी होती है, हमें अपने जन प्रतिनिधियों से संवाद करना और उन्हें अपनी अपेक्षाओं से अवगत कराना होता है, उन्हें टोकना होता है, हमें जनहित के मुद्दों पर भावतर्पण करना होता है, हमें सही काम करने वालों को संबल प्रदान करना होता है। यह सही है कि आज जन प्रतिनिधियों तक पहुँच पाना आसान नहीं है। लेकिन जन प्रतिनिधियों की हमसे यह पूरी अचानक पैदा नहीं हुई है। इसमें हमारी निष्क्रियता का भी योगदान कम नहीं है। डॉ बशीर बद्र साहब का एक खूबसूरत शेर है: - 'सर झुकाओगे तो पत्थर देवता हो जाएगा। इतना मन चाहो उसे को बेवफा हो जाएगा। अगर हमारे जन प्रतिनिधि हमारी पहुँच से बाहर हो गए हैं तो इसके जिम्मेदार भी हम ही हैं। हमने उन्हें ऐसा हो जाने दिया है।

हमें खुद से यह सवाल पूछना चाहिए कि अगर हममें से हरेक ही किसी और प्रमथ्यु की प्रतीक्षा करता रहेगा तो आग लाएगा कौन? यह सच है कि हर समाज को प्रमथ्यु की जरूरत होती है, और यह भी सच है कि हममें से हरेक प्रमथ्यु नहीं हो सकता। लेकिन क्या हम प्रमथ्यु का साथ देने वाले, उसे अपना सम्पन्न देने वाले, उसका उत्साह बढ़ाने वाले भी नहीं बन सकते? क्या हम प्रमथ्यु को दंडित करने वाले अत्याचारी अपने समाज में हम देखते हैं कि जो प्रमाणिक रूप से प्रष्ट हैं उनके प्रति भी हम अपनी स्पष्ट नापसंदगी व्यक्त नहीं करते हैं। आज तो हालत यह है कि हमें आग तो चाहिए, लेकिन आग लाने वाले के घावों की हम परवाह नहीं करते।

सवाल उठाना जरूरी है कि सरकार क्या कर रही है, विपक्ष क्या कर रहा है, न्यायपालिका, मीडिया और सामाजिक संगठन क्या कर रहे हैं। लेकिन इसके साथ एक प्रश्न और जुड़ना चाहिए- हम क्या कर रहे हैं? क्या हम स्वयं सवाल पूछ रहे हैं? क्या हम सही बात कहने वालों के साथ खड़े हैं? क्या हम उन लोगों का समर्थन करते हैं जो सार्वजनिक हित में जोखिम उठाते हैं? या हम केवल दर्शक बने रहना चाहते हैं?

कोई भी समाज इसलिए कमजोर नहीं होता कि उसके पास प्रमथ्यु कम है। वह तब कमजोर होता है जब वह अपने हर प्रमथ्यु को अकेला छोड़ देता है। इतिहास को आगे बढ़ाने वाले लोग हमेशा अल्पसंख्यक रहे हैं, लेकिन इतिहास की गति को रोकने वाली चीज बहुसंख्यक की उदासीनता रही है। यह उदासीनता टूटे और हममें से हर व्यक्ति अपने हिस्से की जिम्मेदारी स्वीकार करे-शायद यही हमारे समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

-अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

एआई, रोजगार और बाज़ार: क्या दुनिया धीरे-धीरे एक साइलेंट मंटी की तरफ बढ़ रही है?



सुनील दत्त गोयल

आज दुनिया सिर्फ तकनीक के बदलने का दौर नहीं देख रही, बल्कि पूरी आर्थिक व्यवस्था बदलने के दौर से गुजर रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई, मशीन लर्निंग और ऑटोमेशन अब केवल एआई की कंपनियों तक सीमित चीज़ें नहीं रह गई हैं। बैंकिंग, मीडिया, शिक्षा, स्वास्थ्य, ट्रांसपोर्ट, ग्राहक सेवा, फैक्ट्री, लॉजिस्टिक्स और यहां तक कि क्रिप्टोवैल्यू में भी एआई तेजी से अपनी जगह बना रहा है।

कंपनियाँ इसे खर्च कम करने, तेज़ फैसले लेने और कम कर्मचारियों में ज्यादा काम करने के साधन के रूप में देख रही हैं। निवेशकों को भी इसमें भविष्य की अर्थव्यवस्था दिखाई दे रही है। लेकिन इसी उसाह के बीच एक बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है- क्या हम अनजाने में उस आर्थिक व्यवस्था को ही कमजोर कर रहे हैं, जिस पर पूरा बाज़ार टिका हुआ है?

असल में दुनिया की अर्थव्यवस्था सिर्फ मशीनों से नहीं चलती। उसका असली आधार आम आदमी की कमाई और उसका खर्च होता है। अगर तकनीकी तेजी से इंसानी नौकरियों की जगह लेने लगे और पैसा कुछ सीमित लोगों तक सिमटने लगे, तो आने वाले समय में दुनिया एक ऐसी साइलेंट रिसेशन यानी धीमी और अंदर ही अंदर बढ़ने वाली मंटी की तरफ जा सकती है, जिसका असर बहुत गहरा हो सकता है।

अर्थव्यवस्था का असली आधार: आम आदमी का खर्च अर्थशास्त्र का एक बहुत सीधा सिद्धांत है- जो व्यक्ति कमाता है, वही खर्च करता है और वही बाजार को चलाता है। इसे संकुचित फ्लो ऑफ इनकम कहा जाता है।

किसी कर्मचारी की सैलरी सिर्फ उसकी व्यक्तिगत कमाई नहीं होती। वही पैसा कितने की दुकान तक जाता है, मकान किराया बनता है, बच्चों की फीस बनता है, गाड़ी खरीदने में लगता है, अस्पताल, मोबाइल रिचार्ज, कपड़े और मनोरंजन तक पहुँचता है। यही पैसा आगे दूसरों को भी आय बन जाता है।

वर्ल्ड बैंक और आई एम एफ के अनुसार भारत की जीडीपी का लगभग 57 से 60 प्रतिशत अमेरिका के निजी खर्च से आता है। इसका जैसे

देशों में यह आँकड़ा लगभग 68 प्रतिशत तक है। इसका मतलब साफ है- अगर आम आदमी की कमाई कमजोर होती है, तो बाजार की मांग भी कमजोर होने लगती है।

यानी अर्थव्यवस्था केवल फैक्ट्री और उत्पादन से नहीं चलती, बल्कि लोगों की खरीदने की क्षमता से चलती है। और यह क्षमता सीधे रोजगार से जुड़ी होती है।

एआई से काम बढ़ रहा है, लेकिन नौकरियों घटने का डर भी बढ़ रहा है। एआई के समर्थक अक्सर कहते हैं कि हर नई तकनीक नई नौकरियाँ पैदा करती है। यह बात कुछ हद तक सही भी है। औद्योगिक क्रांति, कंप्यूटर और इंटरनेट ने भी नई संभावनाएँ पैदा की थीं। लेकिन एआई की गति और उसका दायरा पहले की तकनीकों से कहीं ज्यादा बड़ा है।

McKinsey Global Institute की रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक दुनिया में 40 से 80 करोड़ नौकरियाँ ऑटोमेशन से प्रभावित हो सकती हैं। वहीं का अनुमान है कि जनरेटिव एआई लगभग 30 करोड़ फुल-टाइम नौकरियों के बराबर काम को प्रभावित कर सकता है।

World Economic Forum का 'Future of Jobs Report 2023' 2023 कहती है कि अगले पाँच सालों में लगभग 23 प्रतिशत नौकरियाँ बदल जाएँगीं। करीब 619 करोड़ नई नौकरियाँ बनेंगीं, लेकिन 813 करोड़ नौकरियाँ खत्म भी हो सकती हैं।

लेकिन असली समस्या तब शुरू हुई जब लोगों की नौकरियाँ गईं और खर्च कम होने लगा। लोगों ने घर खरीदना बंद किया, कार खरीदना बंद किया और खर्च सीमित कर दिया। बाजार में मांग घटी, तो उत्पादन भी घट गया और कंपनियों संकट में आ गईं। यानी अर्थव्यवस्था का असली इंजन आम आदमी का खर्च है। अगर लोगों की जेब कमजोर होती है, तो बड़े-बड़े उद्योग भी लंबे समय तक नहीं टिक सकते। आज का खतरा थोड़ा अलग है। यह अचानक आने वाला संकट नहीं है। यह धीरे-धीरे बढ़ने वाला देबाव है। इसलिए इसे साइलेंट रिसेशन कहा जा सकता है।

साइलेंट रिसेशन आखिर है क्या? साइलेंट रिसेशन ऐसी स्थिति होती है जहाँ ऊपर से सब कुछ सामान्य दिखाई देता है। शेयर बाजार बढ़ रहा होता है, कंपनियों का मुनाफा भी अच्छा दिखता है, लेकिन जमीन पर लोगों की वास्तविक कमाई और नौकरी की स्थिरता धीरे-धीरे कमजोर होती जाती है। मान लीजिए कोई कंपनी एआई की मदद से अपने 70 प्रतिशत कर्मचारियों को हटाकर भी काम चलाने लगे। शुरुआती समय में कंपनी का मुनाफा बढ़ सकता है। निवेशक खुश होंगे। शेयर की कीमतें भी बढ़ सकती हैं।

लेकिन वे 70 प्रतिशत लोग जो पहले वेतन पा रहे थे, अब बाजार में पहले जैसे ग्राहक नहीं रहेंगे। वे नया घर खरीदने से बचेंगे, गाड़ी नहीं लेंगे, बच्चों की महंगी पढ़ाई कम करेंगे और खर्च घटा देंगे।

भारत की स्थिति विकसित देशों से अलग है। यहाँ हर साल लाखों युवा नौकरी की तलाश में बाजार में आते हैं। CMIE के अनुसार भारत में युवाओं के बीच बेरोजगारी कई बार 15 से 20 प्रतिशत तक दर्ज की गई है।

भारत में एक नौकरी केवल एक व्यक्ति को कमाई नहीं होती, बल्कि पूरे परिवार का सहारा होती है। ऐसे में अगर एआई शुरुआती स्तर की नौकरियों को तेजी से खत्म करने लगे, तो इसका असर सिर्फ आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक भी होगा।

विशेष चिंता की बात यह है कि एआई सबसे पहले उन्हीं नौकरियों को प्रभावित कर रहा है, जो दोहराव वाले काम हैं। और भारत का सर्विस सेक्टर काफी हद तक इसी मॉडल पर आधारित है। BPO, बैंक ऑफिस, बेसिक कोडिंग, डेटा एंट्री और ग्राहक सहायता जैसे क्षेत्रों में करोड़ों युवा काम करते हैं। अगर कोई कंपनी पहले 100 कर्मचारियों से काम कर रही थी और अब 25-30 कर्मचारियों और एआई दुल्स से वही काम करने लगे, तो कंपनी का खर्च जरूर कम होगा। लेकिन बाकी लोगों की कमाई भी खत्म हो जाएगी। यहाँ से समस्या केवल रोजगार की नहीं रहती, बल्कि बाजार की मांग की बन जाती है।

2008 की मंटी ने दुनिया को क्या सिखाया था? 2008 की वैश्विक आर्थिक मंटी आज भी दुनिया के लिए एक बड़ा सबक मानी जाती है। अमेरिका को सब-प्राइम लोन संकट और Lehman Brothers जैसी बड़ी वित्तीय संस्थाओं के गिरने से पूरी दुनिया हिल गई थी।

लेकिन असली समस्या तब शुरू हुई जब लोगों की नौकरियाँ गईं और खर्च कम होने लगा। लोगों ने घर खरीदना बंद किया, कार खरीदना बंद किया और खर्च सीमित कर दिया। बाजार में मांग घटी, तो उत्पादन भी घट गया और कंपनियों संकट में आ गईं। यानी अर्थव्यवस्था का असली इंजन आम आदमी का खर्च है। अगर लोगों की जेब कमजोर होती है, तो बड़े-बड़े उद्योग भी लंबे समय तक नहीं टिक सकते। आज का खतरा थोड़ा अलग है। यह अचानक आने वाला संकट नहीं है। यह धीरे-धीरे बढ़ने वाला देबाव है। इसलिए इसे साइलेंट रिसेशन कहा जा सकता है।

साइलेंट रिसेशन आखिर है क्या? साइलेंट रिसेशन ऐसी स्थिति होती है जहाँ ऊपर से सब कुछ सामान्य दिखाई देता है। शेयर बाजार बढ़ रहा होता है, कंपनियों का मुनाफा भी अच्छा दिखता है, लेकिन जमीन पर लोगों की वास्तविक कमाई और नौकरी की स्थिरता धीरे-धीरे कमजोर होती जाती है। मान लीजिए कोई कंपनी एआई की मदद से अपने 70 प्रतिशत कर्मचारियों को हटाकर भी काम चलाने लगे। शुरुआती समय में कंपनी का मुनाफा बढ़ सकता है। निवेशक खुश होंगे। शेयर की कीमतें भी बढ़ सकती हैं।

लेकिन वे 70 प्रतिशत लोग जो पहले वेतन पा रहे थे, अब बाजार में पहले जैसे ग्राहक नहीं रहेंगे। वे नया घर खरीदने से बचेंगे, गाड़ी नहीं लेंगे, बच्चों की महंगी पढ़ाई कम करेंगे और खर्च घटा देंगे।

भारत की स्थिति विकसित देशों से अलग है। यहाँ हर साल लाखों युवा नौकरी की तलाश में बाजार में आते हैं। CMIE के अनुसार भारत में युवाओं के बीच बेरोजगारी कई बार 15 से 20 प्रतिशत तक दर्ज की गई है।

भारत में एक नौकरी केवल एक व्यक्ति को कमाई नहीं होती, बल्कि पूरे परिवार का सहारा होती है। ऐसे में अगर एआई शुरुआती स्तर की नौकरियों को तेजी से खत्म करने लगे, तो इसका असर सिर्फ आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक भी होगा।

विमानों और पक्षियों का यह टकराव उतना ही पुराना है जितना उड़ान का इतिहास। विडंबना यह है कि मनुष्य ने उड़ने की प्रेरणा पक्षियों से ही ली, लेकिन जैसे ही उसने आकाश में प्रवेश किया, वही पक्षी उसके लिए चुनौती बन गए।

प्रारंभिक दौर में विमानों की गति कम थी। पक्षियों को रास्ते से हटने का पर्याप्त समय मिल जाता था और नुकसान अधिकतर विंडशील्ड तक सीमित रहता था। लेकिन जेट युग ने इस समीकरण को बदल दिया।

आज के आधुनिक विमान अत्यंत तीव्र गति से उड़ते हैं। उनके टर्बाइन इंजन हल्के, जटिल और अत्यधिक संवेदनशील होते हैं। ऐसी स्थिति में एक छोटा-सा पक्षी भी जब विमान से टकराता है, तो उसका प्रभाव किसी प्रक्षेप्य (मिसाइल) जैसा हो सकता है।

कौन है ये 'अनचाहे हवाई यात्री'? यह समझना जरूरी है कि पक्षी कभी जानबूझकर विमानों से नहीं

सामाजिक भी होगा।

विशेष चिंता की बात यह है कि एआई सबसे पहले उन्हीं नौकरियों को प्रभावित कर रहा है, जो दोहराव वाले काम हैं। और भारत का सर्विस सेक्टर काफी हद तक इसी मॉडल पर आधारित है। BPO, बैंक ऑफिस, बेसिक कोडिंग, डेटा एंट्री और ग्राहक सहायता जैसे क्षेत्रों में करोड़ों युवा काम करते हैं। अगर कोई कंपनी पहले 100 कर्मचारियों से काम कर रही थी और अब 25-30 कर्मचारियों और एआई दुल्स से वही काम करने लगे, तो कंपनी का खर्च जरूर कम होगा। लेकिन बाकी लोगों की कमाई भी खत्म हो जाएगी। यहाँ से समस्या केवल रोजगार की नहीं रहती, बल्कि बाजार की मांग की बन जाती है।

2008 की मंटी ने दुनिया को क्या सिखाया था? 2008 की वैश्विक आर्थिक मंटी आज भी दुनिया के लिए एक बड़ा सबक मानी जाती है। अमेरिका को सब-प्राइम लोन संकट और Lehman Brothers जैसी बड़ी वित्तीय संस्थाओं के गिरने से पूरी दुनिया हिल गई थी।

लेकिन असली समस्या तब शुरू हुई जब लोगों की नौकरियाँ गईं और खर्च कम होने लगा। लोगों ने घर खरीदना बंद किया, कार खरीदना बंद किया और खर्च सीमित कर दिया। बाजार में मांग घटी, तो उत्पादन भी घट गया और कंपनियों संकट में आ गईं। यानी अर्थव्यवस्था का असली इंजन आम आदमी का खर्च है। अगर लोगों की जेब कमजोर होती है, तो बड़े-बड़े उद्योग भी लंबे समय तक नहीं टिक सकते। आज का खतरा थोड़ा अलग है। यह अचानक आने वाला संकट नहीं है। यह धीरे-धीरे बढ़ने वाला देबाव है। इसलिए इसे साइलेंट रिसेशन कहा जा सकता है।

साइलेंट रिसेशन आखिर है क्या? साइलेंट रिसेशन ऐसी स्थिति होती है जहाँ ऊपर से सब कुछ सामान्य दिखाई देता है। शेयर बाजार बढ़ रहा होता है, कंपनियों का मुनाफा भी अच्छा दिखता है, लेकिन जमीन पर लोगों की वास्तविक कमाई और नौकरी की स्थिरता धीरे-धीरे कमजोर होती जाती है। मान लीजिए कोई कंपनी एआई की मदद से अपने 70 प्रतिशत कर्मचारियों को हटाकर भी काम चलाने लगे। शुरुआती समय में कंपनी का मुनाफा बढ़ सकता है। निवेशक खुश होंगे। शेयर की कीमतें भी बढ़ सकती हैं।

लेकिन वे 70 प्रतिशत लोग जो पहले वेतन पा रहे थे, अब बाजार में पहले जैसे ग्राहक नहीं रहेंगे। वे नया घर खरीदने से बचेंगे, गाड़ी नहीं लेंगे, बच्चों की महंगी पढ़ाई कम करेंगे और खर्च घटा देंगे।

भारत की स्थिति विकसित देशों से अलग है। यहाँ हर साल लाखों युवा नौकरी की तलाश में बाजार में आते हैं। CMIE के अनुसार भारत में युवाओं के बीच बेरोजगारी कई बार 15 से 20 प्रतिशत तक दर्ज की गई है।

भारत में एक नौकरी केवल एक व्यक्ति को कमाई नहीं होती, बल्कि पूरे परिवार का सहारा होती है। ऐसे में अगर एआई शुरुआती स्तर की नौकरियों को तेजी से खत्म करने लगे, तो इसका असर सिर्फ आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक भी होगा।

विमानों और पक्षियों का यह टकराव उतना ही पुराना है जितना उड़ान का इतिहास। विडंबना यह है कि मनुष्य ने उड़ने की प्रेरणा पक्षियों से ही ली, लेकिन जैसे ही उसने आकाश में प्रवेश किया, वही पक्षी उसके लिए चुनौती बन गए।

प्रारंभिक दौर में विमानों की गति कम थी। पक्षियों को रास्ते से हटने का पर्याप्त समय मिल जाता था और नुकसान अधिकतर विंडशील्ड तक सीमित रहता था। लेकिन जेट युग ने इस समीकरण को बदल दिया।

आज के आधुनिक विमान अत्यंत तीव्र गति से उड़ते हैं। उनके टर्बाइन इंजन हल्के, जटिल और अत्यधिक संवेदनशील होते हैं। ऐसी स्थिति में एक छोटा-सा पक्षी भी जब विमान से टकराता है, तो उसका प्रभाव किसी प्रक्षेप्य (मिसाइल) जैसा हो सकता है।

कौन है ये 'अनचाहे हवाई यात्री'? यह समझना जरूरी है कि पक्षी कभी जानबूझकर विमानों से नहीं

टकराते। वे तो स्वाभाविक रूप से अपने भोजन, घोंसले और सुरक्षित ठिकानों की तलाश में रहते हैं। समस्या तब पैदा होती है जब मनुष्य की अव्यवस्थित गतिविधियाँ उड़ने वाले पक्षियों को आकर्षित करती हैं।

भारत में बर्ड स्ट्राइक की घटनाओं में मुख्यतः निम्न पक्षी प्रजातियाँ अधिक शामिल पाई जाती हैं - चील और बाज - गंधीर घटनाओं में इनकी भूमिका सबसे अधिक होती है। एयरपोर्ट के आसपास खुले कचरे और मांस-मछली के अवशेष इन्हें आकर्षित करते हैं। ये ऊँचाई पर गर्म हवा की धाराओं में मंडराते रहते हैं और अक्सर विमानों के टेक-ऑफ मार्ग में आ जाते हैं।

कबूतर और टिटहरी - कबूतर भवनों और ऊँचे ढाँचों में घोंसले बना लेते हैं, जबकि टिटहरी रनवे किनारे घास में अंडे देती हैं। विमान की गर्जना से ये अचानक उड़ान भरते हैं और सीधे इंजन के मार्ग में आ जाते हैं।

बगुले, मैना और कौवे - बारिश के मौसम में रनवे के आसपास खुले वाले कोड़े-मकोड़े इन्हें आकर्षित करते हैं। समूह में इनकी उपस्थिति जोखिम को कई गुना बढ़ा देती है।

दुनिया के बड़े हवाई अड्डों पर पक्षियों को दूर रखने के लिए अनेक तकनीकों का उपयोग किया जाता है। जॉन एफ केनेडी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से लेकर हीरो हवाई अड्डे तक इसके लिए विशेष व्यवस्थाएँ विकसित की गई हैं।

शेलक्रेकर और रॉकेट बॉम्ब - ये विशेष ध्वनि-उत्पादक पटाखे होते हैं जिन्हें दमकते हुए आवाज और प्रकाश उत्पन्न किया जाता है, ताकि पक्षी भयभीत होकर उड़ जाएँ। डिस्ट्रेस कॉल्स - लाउडस्पीकर पर पक्षियों की संकेत ध्वनियाँ बजाई जाती हैं, जिससे झुंड को खतरे का आभास हो।

एवियन रडार सिस्टम - अब ऐसे आधुनिक रडार विकसित हो चुके हैं जो पक्षियों के झुंड की दिशा, ऊँचाई और घनत्व का पूर्वानुमान देकर पायलटों और एयर ट्रैफिक कंट्रोल को चेतावनी दे सकते हैं। लेकिन इन तकनीकों की भी सीमाएँ हैं। पक्षी जल्दी सीख जाते हैं। कुछ समय बाद वे समझ जाते हैं कि यह शोर केवल ध्रम है, खतरा नहीं। जयपुर और देश के अन्य हवाई अड्डों को सुरक्षित बनाने के लिए तात्कालिक उपायों से आगे बढ़कर दीर्घकालिक और बहुस्तरीय नीति अपनानी होगी।

बर्ड स्ट्राइक नियंत्रण की त्रिसूत्रीय रणनीति - एयरपोर्ट के आसपास खुले डोंगियार्ड, बूचखाने, होटल कचरा और खुले डस्टबिन पक्षियों के सबसे बड़े आकर्षण हैं। एयरपोर्ट के कम से कम 10 किलोमीटर दायरे में टोस कचरा प्रबंधन को अनिवार्य और सख्ती से लागू करना होगा।

रनवे के आसपास घास की ऊँचाई वैज्ञानिक मानकों के अनुसार रकड़ जानी चाहिए। बहुत नरम, न बहुत नीची। जलभराव समाप्त करने के लिए

पर पड़ेगा:-

रियल एस्टेट की मांग घटेगी। ऑटोमोबाइल सेक्टर प्रभावित होगा। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर देबाव बढ़ेगा।

खुदरा बाजार कमजोर होगा। सबसे पहले छोटे और मध्यम उद्योग प्रभावित होंगे। यह असर धीरे-धीरे बढ़ता है, इसलिए शुरुआत में दिखाई नहीं देता। लेकिन अंदर ही अंदर पूरी आर्थिक गति कमजोर होने लगती है।

आज कंपनियाँ एआई को खर्च कम करने के साधन के रूप में देख रही हैं। लेकिन यहाँ एक बड़ा विरोधाभास भी है।

जिस कर्मचारी को हटाकर कंपनी पैसा बचा रही है, वही व्यक्ति बाजार में उसका ग्राहक भी था।

आर्थिक चक्र कुछ इस तरह चलता है:-

कर्मचारी आय खर्च बाजार कंपनी की कमाई

अगर इस चक्र को पहली कड़ी कमजोर हो जाती है, तो आखिर में कंपनियों की कमाई भी प्रभावित होने लगती है।

यानी कंपनियाँ अल्पकालिक मुनाफे के लिए दीर्घकालिक बाजार को कमजोर कर सकती हैं।

क्या एआई अमीर और गरीब के बीच दूरी बढ़ाएगा?

Oxford Economics और OECD जैसी संस्थाओं ने कई बार चेतावनी दी है कि एआई से उत्पादकता तो बढ़ेगी, लेकिन अगर सही नीतियाँ नहीं बनीं तो असमानता भी तेजी से बढ़ सकती है।

तकनीक का सबसे ज्यादा लाभ उन लोगों को मिलेगा जिनके पास पूँजी, उच्च कौशल और डेटा का नियंत्रण है। दूसरी तरफ कम और मध्यम कौशल वाले लोगों पर देबाव बढ़ सकता है। दुनिया पहले ही "K-shaped recovery" देख चुकी है, जहाँ समाज का एक वर्ग तेजी से ऊपर जाता है जबकि दूसरा वर्ग पीछे छूटता जाता है। एआई इस दूरी को और बढ़ा सकता है।

समाधान क्या हो सकते हैं? इस समस्या का समाधान एआई को रोकना नहीं है। तकनीक को रोकना नहीं जा सकता। असली सवाल यह है कि उसका इस्तेमाल किस तरह कर सकते हैं।

1. बड़े स्तर पर नई स्किल सिखाने की जरूरत सरकार और कंपनियों को मिलकर लोगों को नए कौशल सिखाने होंगे। डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिस्टिमीटी, रोबोटिक्स, एआई मैनेजमेंट, हेल्थ टेक और ग्रीन टेक जैसे क्षेत्रों में नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

2. ईंसान और एआई साथ काम करें। एआई को ईंसानों की जगह लेने

वाली तकनीक नहीं, बल्कि ईंसानों की क्षमता बढ़ाने के साथ उनके सहयोगी के तौर पर तकनीक के रूप में अपनाया होगा।

3. एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करना भारत में एमएसएमई सेक्टर लगभग 11 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। अगर छोटे उद्योग कमजोर होते हैं, तो रोजगार संकट और गहरा सकता है।

4. Universal Basic Income जैसे विचारों पर चर्चा दुनिया के कई देशों में अब न्यूनतम आय सुरक्षा यानी उल्टी-उल्टी-उल्टी पर गंभीर चर्चा शुरू हो चुकी है।

5. आम आदमी की क्रय शक्ति बचाना सबसे जरूरी

किसी भी आर्थिक नीति का अंतिम उद्देश्य केवल जीडीपी बढ़ाना नहीं होना चाहिए, बल्कि लोगों की कमाई और खरीदने की क्षमता को मजबूत रखना होना चाहिए।

एआई मानव इतिहास की सबसे शक्तिशाली तकनीकों में अब न्यूनतम आय सुरक्षा यानी उल्टी-उल्टी-उल्टी पर गंभीर चर्चा शुरू हो चुकी है।

यानी कंपनियाँ अल्पकालिक मुनाफे के लिए दीर्घकालिक बाजार को कमजोर कर सकती हैं।

क्या एआई अमीर और गरीब के बीच दूरी बढ़ाएगा?

Oxford Economics और OECD जैसी संस्थाओं ने कई बार चेतावनी दी है कि एआई से उत्पादकता तो बढ़ेगी, लेकिन अगर सही नीतियाँ नहीं बनीं तो असमानता भी तेजी से बढ़ सकती है।

तकनीक का सबसे ज्यादा लाभ उन लोगों को मिलेगा जिनके पास पूँजी, उच्च कौशल और डेटा का नियंत्रण है। दूसरी तरफ कम और मध्यम कौशल वाले लोगों पर देबाव बढ़ सकता है। दुनिया पहले ही "K-shaped recovery" देख चुकी है, जहाँ समाज का एक वर्ग तेजी से ऊपर जाता है जबकि दूसरा वर्ग पीछे छूटता जाता है। एआई इस दूरी को और बढ़ा सकता है।

समाधान क्या हो सकते हैं? इस समस्या का समाधान एआई को रोकना नहीं है। तकनीक को रोकना नहीं जा सकता। असली सवाल यह है कि उसका इस्तेमाल किस तरह कर सकते हैं।

1. बड़े स्तर पर नई स्किल सिखाने की जरूरत सरकार और कंपनियों को मिलकर लोगों को नए कौशल सिखाने होंगे। डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिस्टिमीटी, रोबोटिक्स, एआई मैनेजमेंट, हेल्थ टेक और ग्रीन टेक जैसे क्षेत्रों में नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

2. ईंसान और एआई साथ काम करें। एआई

संक्षिप्त

सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन पर चर्चा

मावली, (निर्स)। वैष्णव वैरागी समाज आठ बैठक की आम सभा सम्पन्न, सामाजिक सुधार एवं विवाद समाधान पर लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय। समस्त वैष्णव वैरागी समाज आठ बैठक जिला उदयपुर की आम बैठक जोगणिया माता मंदिर, पावर हाउस परिसर में आयोजित की गई। बैठक में मेवाड़, वागड़ एवं 56 क्षेत्र से लगभग 800 समाज बंधुओं ने भाग लिया। बैठक में वैष्णव समाज आठ बैठक विकास समिति उदयपुर संभाग में चल रहे विवाद के समाधान, समाज उत्थान तथा सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन हेतु विस्तृत विचार-विमर्श कर आगामी सामाजिक जागरण की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में वैष्णव वैरागी आठ बैठक विकास समिति के सदस्यों के मध्य चल रहे विवाद के संबंध में परिवादी पक्ष की ओर से एडवोकेट अशोक वैष्णव ने विस्तृत रूप से पूरे घटनाक्रम की जानकारी समाज के समक्ष प्रस्तुत की। जानकारी प्राप्त होने के पश्चात समाजजनों ने कथित रूप से बनाए गए अध्यक्ष रमेश वैष्णव का विरोध करते हुए निर्णय लिया कि यदि किसी व्यक्ति द्वारा नियमों के विपरीत समिति का अध्यक्ष बनने का प्रयास किया गया है तो उसे समाज स्वीकार नहीं करेगा।

रोडवेज बस सेवा शुरू करने की मांग

राजसमंद, (निर्स)। भाजपा ओबीसी मोर्चा कुंज मंडल महामंत्री कैलाश गिरी गोस्वामी ने राजस्थान सरकार के यातायात मंत्री और मुख्य प्रबंधक भरतपुर डिपो को पत्र लिखकर भरतपुर से उदयपुर वाया जयपुर, नसीराबाद, गुलाबपुर, दीनावाड़ा गंगपुर, कुंज, रेलमगरा, श्रीवा माइंस फ तेहनगर, मावली, डबोक होकर उदयपुर रोडवेज की एक्सप्रेस बस सेवा प्रारंभ करने की मांग की है। गोस्वामी ने पत्र में बताया कि इस मार्ग से भरतपुर सीधा जाने के लिए ग्रामीण क्षेत्र की जनता को बस बदलकर आना-जाना पड़ रहा है जिससे ग्रामीण क्षेत्र की जनता पर आर्थिक भार पड़ रहा है और समय भी अधिक लग रहा है इस ग्रामीण क्षेत्र की जनता को सीधी भरतपुर आने जाने के लिए बस सेवा नहीं है इस बस के चलने से जनता को राहत मिलेगी साथ ही रोडवेज आय में वृद्धि होगी भरतपुर के लिए सीधी बस सेवा नहीं है अति शीघ्र बस सेवा को प्रारंभ की जाए जिससे 50000 ग्रामीण क्षेत्र की जनता को राहत मिलेगी।

जनगणना अभियान की बैठक आयोजित

राजसमंद, (निर्स)। पालीवाल समाज परिवार परिचय एवं जनगणना अभियान के निमित्त गांव पीपरडा में बैठक का आयोजन हुआ जिसमें परिवार परिचय एवं जनगणना समाज को एकजुट करने, सामाजिक सद्भाव बढ़ाने और अपने संस्कृति के मूल्यों को बढावा देने के लिए समाज द्वारा चलाये जा रहे अभियान पर चर्चा की गई। समाज के वरिष्ठ धर्मनारायण पालीवाल, प्रदीप पालीवाल, युवा संरक्षण विजेश पालीवाल युवा उपाध्यक्ष नावेश पालीवाल, कोषाध्यक्ष उमेश पालीवाल सहकोषाध्यक्ष एवं गांव पीपरडा के प्रतिनिधि अंबालाल पालीवाल एवं पुनम चंद पालीवाल के सामिप्य में युवा साथी राजेश पालीवाल एवं उमेश पालीवाल ने परिवार परिचय प्रपत्र भरने हेतु जानकारी दी।

मतदान करने की शपथ दिलाई

मंडफिया, (निर्स)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मंडफिया स्थित मीरा रंगमंच पर उपखंड स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित हुआ। पंतजलि योग समिति निवाहडा के जोगेंद्र भांबी व मंडफिया आयुर्वेद औषधालय के डॉ महेंद्र कुमार जांवरिया ने सभी को योगाभ्यास करायी कार्यक्रम में संबलिया जी मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारि दास वैष्णव, सदस्य पवन तिवारी, भदेंसर उपखंड अधिकारी रजनी मीणा, तहसीलदार शिव सिंह शेखावत, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी गोवर्धन लाल देवत, नायब तहसीलदार शिव शंकर पाटीक सहित अन्य विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी व ठाम वासी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में शांति पाठ कराकर सभी को मतदान करने की शपथ दिलाई गई।

जिला व नगर कार्यकारिणी घोषित

डूंगरपुर, (निर्स)। विप्र फाउंडेशन जॉन-1 जी की महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष लीना पहाड़ की अनुशंसा में महिला प्रदेशध्यक्ष जॉन-1 जी राजस्थान कीर्ति आचार्य के मार्गदर्शन में, जिलाध्यक्ष प्रशांत चौबीसा तथा प्रदेश संगठन महामंत्री ललित उपाध्यय के अनुमोदन से महिला प्रकोष्ठ डूंगरपुर जिला एवं नगर कार्यकारिणी की नई संगठनात्मक नियुक्तियों की घोषणा की गई।

29 केन्द्रों पर री.नीट परीक्षा सम्पन्न

उदयपुर, (कासं)। रविवार को उदयपुर में 29 केन्द्रों पर आयोजित री.नीटपरीक्षापुष्पा प्रबंध के चलते निर्बाध रूप से सम्पन्न हुई। री.नीटपरीक्षा के लिए रविवार सुबह 11 बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक प्रवेश दिया गया। परीक्षा का समय दोपहर 2 से शाम 5.15 बजे तक चली। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के हाथों में बंधे कलावे भी खुलवाए गए, साथ ही टॉच से अभ्यर्थियों के कानों की जांच भी की गई। सरकारी रेजिडेंसी स्कूल में दोपहर 1.30 बजे एंटी बंद होने के ठीक वक एक अगैथर्ष्य दौड़ती हुई परीक्षा केंद्र पहुंची। गेट बंद होने के आखिरी सेकंड्स में दौड़कर पहुंची इस छात्रा को सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत अंदर प्रवेश दिलाया। वहीं, जांच के दौरान छात्रा की नोज पिन नहीं निकल पाई तो सुरक्षाकर्मियों ने उसकी नाक पर टेप चिपका दिया और फिर प्रवेश दिया। परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश करने वाले हर अभ्यर्थी को सख्ती से जांच की गई। तीन स्तरीय सुरक्षा जांच के बाद ही उन्हें प्रवेश दिया गया। सबसे पहले मुख्य द्वार पर प्रवेश पत्र देखकर प्रवेश दिया गया, इसके बाद मेटल डिटेक्टर और बायोमेट्रिक जांच की गई। सुरक्षा की दृष्टि से परीक्षा केंद्र के अंदर जैमर और सीसीटीवी भी लगाए गए हैं। हैबही अभ्यर्थियों के प्रवेश करनेवाली जगह छाया के लिए टेंट लगाए गए।

उदयपुर में डॉ. मेवाड़ ने मेक्सिको की कार्यवाहक राजदूत का किया स्वागत

उदयपुर, (कासं)। मेक्सिको की कार्यवाहक राजदूत क्लौडिया केलर लापेयर ने रविवार को सिटी पैलेस पहुँचकर डॉ. लक्षयराज सिंह मेवाड़ से शिष्टाचार भेंट की। डॉ. मेवाड़ ने भारतीय संस्कृति के मूल मंत्र अतिथि देवो भवः की परंपरा का निर्वहन करते हुए राजदूत क्लौडिया केलर लापेयर, उनके साथ आई उनकी बहन गिसेला केलर लापेयर तथा गनेरीवाल फाउंडेशन के ट्रस्टी कुणाल गनेरीवाल का मेवाड़ी परंपरा के अनुरूप आत्मीय स्वागत, अभिनंदन किया तथा स्मृति चिह्न भेंट कर उनका सम्मान किया। सिटी पैलेस में आयोजित इस विशेष भेंट के दौरान भारत एवं मेक्सिको के सांस्कृतिक संबंधों, मेवाड़ की लोकपाली विरासत, कला, स्थापत्य एवं सांस्कृतिक संरक्षण जैसे विषयों पर सांकेतिक विचार-विमर्श हुआ। मेक्सिको की कार्यवाहक राजदूत क्लौडिया केलर लापेयर ने उदयपुर को विश्व के सर्वोच्च आकर्षक एवं पर्यटनीय पर्यटन स्थलों में से एक बताते हुए कहा कि

भीण्डर के भैरव स्कूल में बनेगा 35 लाख रुपये का आधुनिक डोम

भीण्डर, (निर्स)। भीण्डर नगर के सबसे बड़े शैक्षणिक संस्थान भैरव राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय को जल्द ही एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। विद्यालय परिसर में 35 लाख रुपये की लागत से आधुनिक डोम (कवर हॉल) निर्माण की स्वीकृति जारी हो गई है। लंबे समय से उठ रही इस मांग को आखिरकार वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी के प्रयासों से मंजूरी मिल गई है। डोम निर्माण की यह राशि जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास (डीएमएफटी) फंड से स्वीकृत की गई है। गौरतलब है कि इसी वर्ष जनवरी माह में आयोजित भीण्डर क्रिकेट कप सीजन-2 के भव्य उद्घाटन समारोह में विधायक उदयलाल डांगी ने मंच से सार्वजनिक रूप से डोम निर्माण की घोषणा की थी। उस दौरान उन्होंने कहा था कि शिक्षाविद् प्रकाश वया लगातार भैरव स्कूल में डोम निर्माण की मांग कर रहे हैं और वे इस आवश्यकता को शीघ्र पूरा करवाने का हर संभव प्रयास करेंगे। शिक्षाविद् एवं विद्यालय प्रबंधक समिति की यह घोषणा अब धरातल पर उतरती दिखाई दे रही है और विद्यालय में डोम निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। भैरव राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय उपखण्ड क्षेत्र का सबसे बड़ा विद्यालय माना जाता है। यहां

भीण्डर क्रिकेट कप के उद्घाटन समारोह में की थी घोषणा, डीएमएफटी फंड से मिली स्वीकृति

अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या भी काफी अधिक है। इसके अलावा उपखण्ड स्तर के शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेलकूद, प्रशासनिक एवं सरकारी कार्यक्रम भी प्रायः इसी विद्यालय परिसर में आयोजित किए जाते हैं। इसके बावजूद विद्यालय में ऐसी कोई पर्याप्त छायादार एवं संरक्षित जगह उपलब्ध नहीं थी, जहां एक साथ हजारों से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अतिथियों को बैठाया जा सके। गर्मी, बरसात और अन्य मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण कई बार कार्यक्रमों में आयोजन में परेशानी का सामना करना पड़ता था। इसी आवश्यकता को देखते हुए शिक्षाविद् प्रकाश वया, विद्यालय परिवार, विद्यालय प्रबंधक समिति तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा लगातार डोम निर्माण की मांग उठाई जा रही थी। डोम निर्माण के बाद विद्यालय में बड़े शैक्षणिक सभागार, वार्षिकोत्सव, खेलकूद प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक

कार्यक्रम, प्रशिक्षण शिविर एवं ब्लॉक स्तरीय सरकारी आयोजन आसानी से आयोजित किए जा सकेंगे। साथ ही विद्यार्थियों को धूप और बारिश से राहत मिलेगी तथा विभिन्न गतिविधियों के लिए एक सुरक्षित और सुव्यवस्थित स्थान उपलब्ध होगा। विद्यालय परिसर में आधुनिक सुविधाओं के विकास से न केवल विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण मिलेगा, बल्कि भीण्डर क्षेत्र में शिक्षा और सार्वजनिक आयोजनों के लिए भी एक मजबूत आधारभूत संरचना तैयार होगी। शिक्षाविद् एवं विद्यालय प्रबंधक समिति सदस्य प्रकाश वया ने कहा कि भैरव स्कूल में डोम निर्माण की मांग को लेकर वे लंबे समय से प्रयासरत थे। विधायक उदयलाल डांगी से होने वाली प्रत्येक मुलाकात में उन्होंने इस विषय को प्रमुखता से रखा। विधायक ने भीण्डर क्रिकेट कप के उद्घाटन समारोह एवं पणतित्र दिवस समारोह में सार्वजनिक रूप से आश्वस्त किया था कि डोम का निर्माण हर हाल में करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज इस परियोजना को स्वीकृति मिलना विद्यालय परिवार, विद्यार्थियों और पूरे भीण्डर नगर के लिए गौरव और खुशी का विषय है। इससे विद्यालय के विकास को नई दिशा मिलेगी।

पूर्व पार्षद एवं भाजपा नेता हितेश व्यास ने डोम निर्माण के लिए 35 लाख रुपये की स्वीकृति मिलने पर विधायक उदयलाल डांगी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस निर्माण कार्य से विद्यालय में बड़े कार्यक्रमों के आयोजन की सुविधा उपलब्ध होगी तथा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा। उन्होंने कहा कि विधायक उदयलाल डांगी क्षेत्र में शिक्षा, सडक, पेयजल एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए लगातार प्रयासरत हैं। भैरव स्कूल में डोम निर्माण की स्वीकृति भी उनके विकासोन्मुख दृष्टिकोण और जनप्रतिबद्धता का परिणाम है। भीण्डर के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि भैरव स्कूल में डोम निर्माण की स्वीकृति को भीण्डर नगर के शैक्षणिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। लंबे समय से चल रही थी। शर्मा, रुप प्रेसिडेंट, पाहेर गुप ऑफ यूनिवर्सिटीज तथा प्रो. हेमंत कोठारी, प्रेसिडेंट, पाहेर विश्वविद्यालय रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित एवं अनुशासित जीवन जीने की संपूर्ण जीवन-पद्धति है। उन्होंने सभी से योग को अपनी दैनिक भवनचर्या का अभिन्न अंग बनाने का आ आ किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. हेमंत पंड्या, प्राचार्य, पैसिफिक कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन ने किया, जबकि समन्वयकों, जसवंत मेनारिया, विभागध्यक्ष, योग विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों, विभागों एवं संस्थानों के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से कार्यक्रम योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। योग विशेषज्ञों ने नियमित योगाभ्यास के माध्यम से तनावमुक्त, स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। योग दिवस पर विश्वविद्यालय परिवार ने योग को जन-जन तक पहुंचाने तथा स्वस्थ भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

सार-समाचार

स्वतंत्रता सेनानी त्रिवेदी की पुण्यतिथि मनाई



उदयपुर, (कासं)। नारी उत्थान की अग्रणी स्वतंत्रता सेनानी एवं संस्था की संस्थापिका शान्ता त्रिवेदी की सोलहवीं पुण्यतिथि पर राजस्थान महिला परिषद प्रांण में उनके समाधि स्थल पर संस्था अध्यक्ष चन्द्रकांता त्रिवेदी, राजस्थान इंटक के प्रदेशध्यक्ष व संस्था निदेशक जगदीशराज श्रीमाली, संस्था कोषाध्यक्ष अक्षिता त्रिवेदी, संस्था सदस्य संध्या त्रिवेदी, प्रेमशंकर त्रिवेदी, हेमन्त त्रिवेदी, वैनीक भटनगर एवं उनके परिवार के सदस्य, संस्था परिवार के सदस्य, कार्यकर्ता व स्टॉफ द्वारा उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये गये। साथ ही उनकी यादों को ताजा किया गया।

पैसिफिक विवि में योग दिवस मनाया

उदयपुर, (कासं)। पैसिफिक एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी (पाहेर), उदयपुर के योग विभाग एवं फैकल्टी ऑफ एजुकेशन के संयुक्त तत्वावधान में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन रविवार को योग विभाग परिसर में उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस वर्ष की थीम 'योग फॉर हेल्थी एजिंग' रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. बी. पी. शर्मा, रुप प्रेसिडेंट, पाहेर गुप ऑफ यूनिवर्सिटीज तथा प्रो. हेमंत कोठारी, प्रेसिडेंट, पाहेर विश्वविद्यालय रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित एवं अनुशासित जीवन जीने की संपूर्ण जीवन-पद्धति है। उन्होंने सभी से योग को अपनी दैनिक भवनचर्या का अभिन्न अंग बनाने का आ आ किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. हेमंत पंड्या, प्राचार्य, पैसिफिक कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन ने किया, जबकि समन्वयकों, जसवंत मेनारिया, विभागध्यक्ष, योग विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों, विभागों एवं संस्थानों के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से कार्यक्रम योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। योग विशेषज्ञों ने नियमित योगाभ्यास के माध्यम से तनावमुक्त, स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। योग दिवस पर विश्वविद्यालय परिवार ने योग को जन-जन तक पहुंचाने तथा स्वस्थ भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

शांति समिति व सीएलजी सदस्यों की बैठक

कपासन, (निर्स)। डीएसपी हरीश भारती ने आगामी दिनों में आने वाले त्यौहारों को लेकर पुलिस थाना परिसर कपासन में शांति समिति व सीएलजी सदस्यों की बैठक लिये। ओर उपस्थित सदस्यों से शांति व सद्भावना के साथ थाने सहित आदि त्यौहार मनाने की अपील किया। रविवार को कपासन थाना डीएसपी हरीश भारती ने सीआई पुलिस शर्मा के साथ थाना परिसर कपासन में शांति समिति व सीएलजी सदस्यों के साथ बैठक कर आने वाले दोनों में मोहर्म सहित आदि पर्व त्यौहार को लेकर चर्चा करते हुए । सभी सदस्यों से शांति व सद्भावना के साथ मोहर्म पर मनाने की अपील किया। साथ ही कोई भी कानून व्यवस्था विगाड़ने व शांति भंग करने का प्रयास करे तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को देने को कहा। साथ ही इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने नगर की समस्या नशा कारोबार व सटा रोकने, ओर ट्राफिक व्यवस्था सुधारने आदि से अवागत करवाया। जिस पर डीएसपी हरीश भारती ने कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। इससे पूर्व डीएसपी हरीश भारती का माला पहनाकर स्वागत किया गया।

कार्मिक सुनवाई शिविर आयोजित

देवगढ़, (निर्स)। राज्य सरकार के निदेशानुसार कार्मिक सुनवाई शिविर नगरपालिका सभागार में रविवार को आयोजित किया गया। शिविर के अंतर्गत पालिका के समस्त कार्मिक स्थायी, अस्थायी, संबिदाकर्मों, सेवा प्रदाता एजेन्सी के द्वारा प्रशासक मोहकम सिंह सिनसिनवार एवं अधिशाषी अधिकारी पिंढू लाल जाट को कार्मिकों की समस्या से लिखित एवं मौखिक रूप से अवागत करवाया गया। समस्या के तहत पालिका में कार्पेट संबिदा कम्प्युटर ऑपरेटर नरेन्द्र कुमार सेन, दिनेश कुमार जौनगर, मनोहर लाल रेगर द्वारा प्रार्थना- पत्र प्रस्तुत कर मा.उ.न्यायालय जोधपुर के निर्णय की पालना कराते हुये स्थाईकरण एवं वर्तमान में बढ़ती हुई महंगाई के कारण मानदेय बढ़ाने की समस्या रखी। नगर पालिका के सेवा प्रदाता कार्मिकों द्वारा समय पर मानदेय नहीं मिलने की समस्या रखी गई। पालिका कार्मिकों द्वारा कुल 11 शिकायतें लिखित में प्राप्त हुईं। कार्मिक सुनवाई शिविर में प्रशासक मोहकम सिंह सिनसिनवार, अधिशाषी अधिकारी, पिंढुलाल जाट, तहसीलदार सज्जनवार, कनिष्ठ अधिष्ठाता शैलेंद्र कुमार आजाद, वरिष्ठ सहायक धर्मसिंह, सहायक अग्रिशासन अधिकारी राकेश यादव एवं पालिका के समस्त कार्मिक उपस्थित रहे।

उदयपुर में हजारों प्रतिभागियों ने योग प्रोटोकॉल का किया योगाभ्यास

उदयपुर, (कासं)। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर रविवार को उदयपुर जिले में योग का उत्साह चरम पर नजर आया। स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग थीम पर आयोजित कार्यक्रमों के तहत जिले भर में योग प्रोटोकॉल के अभ्यास आयोजित हुए, जिनमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, वरिष्ठ नागरिकों व आमजन ने भाग लिया। जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम महाराणा भूपाल स्टेडियम में आयोजित हुआ, जहां हजारों प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से योग प्रोटोकॉल का योगाभ्यास किया। झीलों की नगरी योगमय वातावरण में अती नजर आई और हर आयु वर्ग के लोगों ने योग के माध्यम से स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। कार्यक्रम में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, जिले के प्रभारी सचिव टी.रविकांत, सांसद डॉ. मालाला रावत, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन एवं उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, संभागीय आयुक्त प्रजा केवल

उदयपुर में हजारों प्रतिभागियों ने योग प्रोटोकॉल का किया योगाभ्यास

रमानी, पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव, जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन, शहर भाजपा उपाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़, भजपा देहात अध्यक्ष पुष्कर लेली सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों ने सहभागिता निभाई। सभी ने योगाभ्यास कर नियमित योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आ आ किया। प्रारंभ में अतिरिक्त निदेशक आयुर्वेद डॉ महेश कुमार गुप्ता, नोडल अधिकारी डॉ भानुकराम जैन आदि ने स्वागत किया। सहायक नोडल अधिकारी व संयोजक वैद्य शोभालाल आदिच्य ने योगाभ्यास प्रोटोकॉल व रूपरेखा की जानकारी दी। सुबह ठीक 7 बजे निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास प्रारंभ हुआ। सर्वप्रथम स्थितौलन क्रियाओं का अभ्यास हुआ। इसके पश्चात खड़े रहकर सफल आयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उदयपुर में झील प्रेमियों ने बढ़ते प्रदूषण पर जताई चिंता

उदयपुर, (कासं)। 'मानसून से पूर्व झीलों के जलप्रवाह क्षेत्रों, किनारों पर जमा कचरे को हटाना जन.स्वास्थ्य एवं जल.गुणवत्ता और झील परिस्थितिकी को सुरक्षा के लिए जरूरी है। बारबार आग्रह के बावजूद जिम्मेदार एजेंसियों द्वारा कोई कार्यवाही नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है।' यह विचार रविवार को पालीवाल झील संवाद में व्यक्त किए गए। संवाद से पूर्व नागा नगरी क्षेत्र में झील पेटे में परसरे बंदवृत्तार कचरे को हटया गया। झील संरक्षण समिति के सहसचिव डॉ. अनिल मेहता ने के अनुसार गर्मी और उमस की परिस्थितियों में जैविक कचरे और अवशेष मिश्रित अपशिष्ट में रोगजनक बैक्टीरिया, वायरस, प्रोटोजोआ पनप रहे

350 से अधिक मुस्लिम प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

उदयपुर, (कासं)। अंजुमन तालीमुल इस्लाम, उदयपुर द्वारा रविवार को 'परवाज' उदयपुर जिला स्तरीय मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 का आयोजन सुखाड़िया रंगमंच नगर निगम उदयपुर में किया गया। समारोह में शिक्षा, उच्च शिक्षा, दीनी कौमी, खेलकूद, प्रशासनिक सेवाओं, कौमी खिदमत एवं अन्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले 350 से अधिक प्रतिभागियों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित कर उनकी होसला, अफजाई की गई। कार्यक्रम के 'मेहमान, ए.खास पूर्व जिला कलेक्टर उदयपुर ताराचंद मीणा थे,' जबकि कार्यक्रम की सदागत अंजुमन तालीमुल इस्लाम के सदर मुख्तार कुरेशी

कार्यालय ग्राम पंचायत ढिकीया, पंचायत समिति लसाड़िया जिला सलुम्बर (राज.)

क्रमांक:- 10 दिनांक- 19.06.2026
-: ई निविदा सूचना- 01/2026-27 :-
 ग्राम पंचायत ढिकीया में महानरेगा/वीबीजीरामजी व अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्यो हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाएं दिनांक 25.06.2026 सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/जानकारि eppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
 UBN No. 1. ZUD2627GLRC01231
प्रशासक ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत ढिकीया ग्राम पंचायत ढिकीया
 पं.स.लसाड़िया, जिला-सलुम्बर (राज.) पं.स.लसाड़िया, जिला-सलुम्बर (राज.)

योग केवल आंतरिक पूर्णता ही नहीं अपितु पंच तत्वों के संतुलन की क्रिया है : प्रो. सारंगदेवोत

उदयपुर, (कासं)। 12वें विश्व योग दिवस पर राजस्थान विद्यापीठ के प्रतापगर स्थित महाराणा खेल मैदान पर स्वस्थ आयु के लिए योग थीम पर योग शिविर का आयोजन किया गया। योग शिविर में बड़ी संख्या में शरीक विद्यापीठ के तौनों परिसर के कार्यकर्ता, क्रिकेट अकेडमी के खिलाड़ियों विद्यार्थी व शहर के गणमन्य नागरिकों को योग गुरु डॉ.



कुलपति सारंगदेवोत ने योग प्रेमियों से कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है

रोहित कुमारवत, अनिता राजपुत, मानव कुमावत द्वारा योग थीम पर सभी कार्यकर्ताओं को प्राणायाम, अनुलोम विलोम, व्यासन, चक्रासन, वक्रासन, हलासन, सर्वांगासन, पक्ष्यमोतान आसन, गोगाधसन, मत्स्यासन, उष्ट्रासन, ताडासन, पादहस्तासन, का करीब एक घंटे तक अभ्यास करवाया। कार्यक्रम के अंत में हास्य योग का भी

आज की युवा पीढी तकनीकी युग में इसे भूल रही है जिससे युवा कई बीमारियों से प्रसित हो रहा है। योग केवल आंतरिक पूर्णता ही नहीं अपितु पंच तत्वों के संतुलन की क्रिया भी है जिसके माध्यम से हम शारीरिक, मानसिक, संवेदनात्मक एवं प्राकृतिक संतुलन स्थापित करते हैं। आज की युवा पीढी को योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए भारतीय योग परम्परा में योग शारीरिक व मानसिक क्रियाओं से कहीं आगे आत्म, चित्त-वृत्ति से जुड़ी वो क्रियाएँ हैं, जो आत्मा व परमात्मा से जुड़ाव के साथ-साथ मृत्यु व प्रकृति के श्रेष्ठतम सामंजस्य को प्रदर्शित करता है। योग में

कार्यालय ग्राम पंचायत कालीभीत, पंचायत समिति लसाड़िया जिला सलुम्बर (राज.)

क्रमांक:- 12 दिनांक- 19.06.2026
-: ई निविदा सूचना- 01/2026-27 :-
 ग्राम पंचायत कालीभीत में महानरेगा/वीबीजीरामजी व अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्यो हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाएं दिनांक 25.06.2026 सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/जानकारि eppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
 UBN No. 1. ZUD2627GLRC01230
प्रशासक ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत कालीभीत ग्राम पंचायत कालीभीत
 पं.स.लसाड़िया, जिला-सलुम्बर (राज.) पं.स.लसाड़िया, जिला-सलुम्बर (राज.)

नसीराबाद में टैंकरों से अवैध रूप से गैस रिफिलिंग का खुलासा, पांच हिरासत में

दो टैंकर, एक मालवाहक वाहन और 35 व्यावसायिक गैस सिलेंडर जब्त, बड़े हादसे की आशंका टली

अजमेर, (निर्स)। नसीराबाद सदर थाना क्षेत्र में पुलिस और रसद विभाग की संयुक्त कार्रवाई में टैंकरों से अवैध रूप से गैस रिफिलिंग किए जाने के बड़े कारोबार का भंडाफोड़ किया गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया है, जबकि दो गैस टैंकर, एक मालवाहक वाहन तथा 35 व्यावसायिक गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं। मामले में रसद विभाग की ओर से सदर थाना में प्रकरण दर्ज कराया गया है और पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार सदर थाना पुलिस को रविवार को सूचना प्राप्त हुई कि झड़वासा गांव स्थित हरिओम होटल एवं रेस्टोरेंट के पास दो बड़े गैस टैंकर खड़े हैं तथा वहां 19 किलोग्राम क्षमता वाले व्यावसायिक गैस सिलेंडरों में गैस भरने की तैयारी की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा और रसद विभाग को भी इसकी जानकारी दी गई। सूचना पर जिला रसद अधिकारी नीरज जैन, रेणुका चतुर्वेदी, अतुल बढ़ाया तथा प्रकाश देवनामी भी मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान पाया गया कि दोनों गैस टैंकरों से बिना किसी वैधानिक माप-तौल



नसीराबाद पुलिस ने टैंकरों से अवैध रूप से गैस रिफिलिंग मामले में पांच जनों को हिरासत में लिया।

व्यवस्था के सीधे व्यावसायिक गैस सिलेंडरों में गैस भरी जा रही थी। अधिकारियों ने जब गैस की जांच की तो पता चला कि टैंकरों में अत्यंत ज्वलनशील प्रोपलीन गैस भरी हुई थी, जिसे घरेलू और व्यावसायिक उपयोग के लिए एलपीजी गैस के रूप में सिलेंडरों में भरा जा रहा था। विशेषज्ञों के अनुसार प्रोपलीन गैस में किसी प्रकार की गंध नहीं होती है। ऐसे में गैस रिसाव होने पर आसपास

मौजूद लोगों को इसकी जानकारी नहीं मिल पाती और किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। कार्रवाई के दौरान मौके से एक मालवाहक वाहन और 35 व्यावसायिक गैस सिलेंडर भी बरामद किए गए। पुलिस ने दोनों टैंकरों को चालू करने से रोक दिया। प्रोपलीन गैस का चतुर्वेदी, अतुल बढ़ाया तथा प्रकाश देवनामी भी मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान पाया गया कि दोनों गैस टैंकरों से बिना किसी वैधानिक माप-तौल

पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि दोनों गैस टैंकर मथुरा स्थित बांटलिंग संयंत्र से खाना होकर गुजरात के धूमदाद क्षेत्र की ओर जा रहे थे। रास्ते में झड़वासा गांव के पास अवैध रूप से गैस निकालकर सिलेंडरों में भरी जा रही थी। रसद विभाग की रिपोर्ट के आधार पर सदर थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि

■ अधिकारियों ने जब गैस की जांच की तो पता चला कि टैंकरों में अत्यंत ज्वलनशील प्रोपलीन गैस भरी हुई थी

■ ज्वलनशील प्रोपलीन गैस को घरेलू, व्यावसायिक उपयोग के लिए एलपीजी गैस के रूप में सिलेंडरों में भरा जा रहा था

इस अवैध कारोबार के पीछे कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं तथा इससे पहले कितनी बार इस प्रकार गैस की अवैध रिफिलिंग की जा चुकी है। पुलिस और रसद विभाग की इस संयुक्त कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध गैस कारोबार करने वालों में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच के बाद दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भीलवाड़ा में तूफान ने तबाही मचाई

■ बालाजी खेड़ा कच्ची बस्ती में मकान की छत ढही, एक मासूम घायल

भीलवाड़ा, (निर्स)। शहर में बीती रात आए तेज आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचाई है। बालाजी खेड़ा कच्ची बस्ती में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जहां तेज हवाओं के झोंके से एक गरीब परिवार के आशियाने की छत धराशायी हो गई। छत गिरने से भारी-भरकम पत्थर नीचे आ गिरा। गनीमत यह रही कि हादसे के वक्त परिवार के सदस्य घर के बाहर खाना खा रहे थे, जिससे कई जानें बच गईं। हालांकि, इस मलबे की चपेट में आने से एक सात वर्षीय मासूम बच्ची का हाथ फ्रैक्चर हो गया है, जिसे परिजनों ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया।

हादसे का मंजर बचाव करते हुए पीड़ित निवासी सीमा बैरवा की आंखें भर आईं। उन्होंने बताया: मैं अपनी बच्ची के साथ कमरे के भीतर ही बैठी थी। अचानक कमरे की दीवारें हिलने लगीं। अनहोनी का अहसास होते ही

मैं बच्ची को लेकर तुरंत बाहर की तरफ भागी। हमारे बाहर निकलते ही पूरी छत और दीवार भरभरकर गिर गई। अगर एक सेकंड की भी देरी होती, तो मैं और मेरी बच्ची जिंदा नहीं बचते। बड़े-बड़े पत्थर गिरते देख हम बुरी तरह सहम गए।

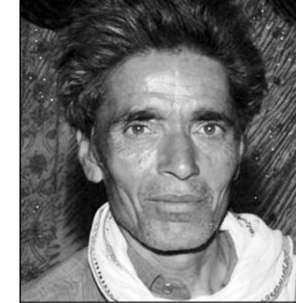
स्थानीय निवासी लीला ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने बताया कि इस कॉलोनी में पिछले एक महीने के भीतर यह दूसरा बड़ा हादसा है। इससे पहले भी एक मकान की दीवार ढह चुकी है। बारिश का मौसम शुरू हो चुका है, जिससे

कच्ची बस्ती के जर्जर मकानों पर खतरा और बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इतना बड़ा हादसा होने के बावजूद अब तक प्रशासन का कोई भी अधिकारी मौका मुआयना करने नहीं पहुंचा है। बालाजी खेड़ा कच्ची बस्ती के निवासियों में प्रशासन के खिलाफ गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों ने बताया कि वे लंबे समय से अपने आशियाने को सुरक्षित करने के लिए जमीन के पट्टे की मांग कर रहे हैं। कई बार लिखित और मौखिक रूप से जिला प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन हर बार उनकी मांग को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। अब मानसून की दस्तक के साथ ही पूरी बस्ती डर के साप में जीने को मजबूर है। लोगों का कहना है कि अगर जल्द ही प्रशासन ने सुध नहीं ली, तो यहां कभी भी कोई बड़ा जनहानि का शिकार हो सकता है।

खेत में चारा काटते समय किसान की मौत

टोंक, (निर्स)। घाड़ थाना क्षेत्र के चारनट गांव में रविवार को खेत पर चारा काटते समय 47 साल के किसान की अज्ञात कारणों से मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक भंवरलाल वैष्णव दर्रा बालाजी मंदिर के पुजारी थे।

परिजनों ने बताया कि भंवरलाल सुबह अपने खेत पर मवेशियों के लिए चारा काट रहे थे। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की और उन्हें खेत पर अचेत अवस्था में पाया। ग्रामीणों की मदद से उन्हें घाड़ अस्पताल ले जाया गया, जहां से दूनी रेफर कर दिया गया। दूनी अस्पताल में डॉ. सुरेश मीणा ने जांच



मृतक किसान

के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि

■ करंट लगने की आशंका के चलते मामला दर्ज

भंवर लाल जिस स्थान पर चारा काट रहे थे, वहां बिजली विभाग का कृषि कनेक्शन का तार नीचे झूल रहा था। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि उनकी मौत करंट लगने से हुई है। सूचना मिलने पर घाड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दूनी अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम करवाया। पंचनामा तैयार कर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

चार युवकों पर नाबालिग लड़की से गैंगरेप का आरोप

किशनगढ़ बास, (निर्स)। थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय नाबालिग लड़की को रात में घर से जबरन उठाकर खेत में ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोप गांव के ही चार युवकों पर है। पुलिस ने पीड़िता की दादी की शिकायत पर पॉक्सो एक्ट, एससी/एसटी एक्ट और बीएनएस की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायतकर्ता बुजुर्ग महिला ने पुलिस को बताया कि उनके बेटे की मौत के बाद दूसरा बेटा अस्थिरा विसर्जन के लिए गंगा जी गया था। 20 जून की रात घर पर वे, पुत्रवधु और 16 वर्षीय पोती थीं। रात करीब 12 बजे गांव के ही मुजाहिद और उसका चाचा मोहम्मद दीवार फांदकर घर में घुस आए और सो

■ घर पर सो रही नाबालिग बालिका को उठाकर खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया

■ शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर की जांच शुरू

कि चारों आरोपियों ने नाबालिग के साथ मारपीट की, धमकी दी और सामूहिक दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपी पीड़िता को वहीं छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़िता 21 जून को सुबह करीब 4 बजे रोती हुई घर पहुंची और दादी को आपबीती बताई। इसके बाद परिजनों के साथ थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी गई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

दोएसपी लालसिंह यादव ने बताया कि दलित नाबालिग बालिका के साथ गैंगरेप का मामला थाना किशनगढ़ बास में दर्ज हुआ है। बालिका का चिकित्सकों द्वारा मेडिकल करवाया गया है तथा मामले में जांच प्रारम्भ कर दी है।

हादसे में तीन युवक घायल

डूंगरपुर, (निर्स)। कोतवाली थाना क्षेत्र में बर्ड सेंचुरी रिंग रोड पर एक कार और तेज रफ्तार बाइक के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया गया।

यह दुर्घटना शनिवार देर रात इंडस्ट्रियल एरिया मोड़ के पास बर्ड सेंचुरी मोड़ पर हुई। तेज रफ्तार पावर बाइक और कार की जोरदार टक्कर के बाद बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े। उन्हें हाथ, पैर और सिर में गंभीर चोटें आई हैं। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को डूंगरपुर अस्पताल में भर्ती कराया। घायल युवक लालकपुर गांव के निवासी बताए जा रहे हैं।

बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में तीन दिन में दूसरी प्रसूता की मौत

बीकानेर, (निर्स)। पीबीएम हॉस्पिटल में रविवार को तीन दिनों के भीतर दूसरी प्रसूता की मौत हो गई। हॉस्पिटल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूता शारदा (26) वेंटीलेटर पर थी, जिसने रविवार शाम को दम तोड़ दिया। इससे पहले तबीयत बिगड़ने पर शुक्रवार को प्रसूता प्रीति की मौत हो गई थी। हॉस्पिटल में बीते एक महीने के भीतर सिजेरियन डिलीवरी के बाद 6 महिलाओं की किडनी फेल हो गई थी। हालांकि इनमें से 2 महिलाओं को तबीयत में सुधार होने पर छुट्टी दे दी गई थी।

जानकारी के अनुसार, शारदा को प्रसव के बाद से ही गंभीर हालत में पीबीएम अस्पताल में भर्ती कर वेंटीलेटर पर रखा गया था। पिछले कई दिनों से उसकी हालत गंभीर थी। डॉक्टर्स के

■ सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूता की किडनी फेल हुई थी जो वेंटीलेटर पर थी

अनुसार, उसकी प्लेटलेट्स लगातार कम हो रही थीं और शरीर में ऑक्सीजन का स्तर भी गिर गया था। शनिवार को उसकी तबीयत अधिक बिगड़ने पर डॉक्टर्स ने गले में नली डालकर उसे अतिरिक्त ऑक्सीजन सपोर्ट दिया था। इसके बावजूद उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ और रविवार शाम करीब छह बजे उसने दम तोड़ दिया।

पीबीएम अस्पताल में प्रसूताओं की किडनी और अन्य अंग प्रभावित होने के मामले को लेकर पहले से ही जांच चल

रही है। इस प्रकरण में पहले प्रीति की मौत हो चुकी है, जो करीब 20 दिनों तक वेंटीलेटर पर रही थी। उसके लीवर और किडनी पर भी गंभीर असर पड़ा था। मामले को लेकर हेल्थ डिपार्टमेंट की ओर से जांच जारी है।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. बी.सी. घोषा के अनुसार, मरीजों के इलाज के लिए हरसंभव प्रयास किए गए थे, लेकिन प्रथम दृष्टया मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर महिला की मौत का कारण माना जा रहा है। किडनी के बाद अन्य अंगों ने भी काम करना बंद कर दिया। इस कारण महिला को ऑक्सीजन सपोर्ट देने की कोशिश की जा रही थी। हालांकि मामले में मृतका के परिजनों ने घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

पाली में बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते लेखा सहायक ट्रैप

जयपुर/पाली। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कार्रवाई करते हुए पाली जिले के रोहट स्थित ब्लॉक मुख् चिकित्सा अधिकारी (बीसीएमओ) कार्यालय में कार्यरत लेखा सहायक (संविदाकर्मी) को बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। वहीं इस मामले में बीसीएमओ की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है, जिसके बाद उनके आवास पर तलाशी ली गई, लेकिन कार्रवाई की भनक लगने पर वे फरार हो गए। एसीबी उनकी तलाश में जुटी हुई है।

एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता ने बताया कि रविवार को एसीबी पाली द्वितीय टीम ने यह कार्रवाई की। जहां एसीबी चौकी पाली द्वितीय को शिकायत

मिली थी कि परिवारी की ब्लॉक मुख् चिकित्सा अधिकारी कार्यालय रोहट में टेंडर के माध्यम से लगी वाहन सेवा को लगातार संचालित रखने तथा अप्रैल से जून माह तक के लंबित बिलों को पास करवाने की एवज में कार्यालय के लेखा सहायक (संविदाकर्मी) देवकीनन्दन शर्मा बीस हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे थे। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी पाली द्वितीय के प्रभारी (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक) देवारव सिंह एवं उनकी टीम ने ट्रैप की योजना बनाई और रविवार को कार्रवाई करते हुए लेखा सहायक (संविदाकर्मी) देवकीनन्दन शर्मा को परिवारी से बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

एसीबी के अनुसार आरोपित लेखा सहायक (संविदाकर्मी) ने रिश्वत की राशि प्राप्त करने के बाद उसे ब्लॉक मुख् चिकित्सा अधिकारी कार्यालय की नई इमारत की प्रथम मंजिल पर रखी एक लकड़ी की दराज में छिपा दिया था। एसीबी टीम ने मौके पर पहुंचकर उक्त राशि बरामद कर ली। वहीं जांच के दौरान बीसीएमओ डॉ. हार्दिक राजपुरोहित को भूमिका भी संदिग्ध पाई गई। इस पर एसीबी जोधपुर शहर इकाई के प्रभारी किशन सिंह (उप अधीक्षक पुलिस) के नेतृत्व में उनके आवास पर तलाशी ली गई। हालांकि कार्रवाई की जानकारी मिलने पर डॉ. राजपुरोहित फरार हो गए। एसीबी ने उनकी तलाश शुरू कर दी है।

बेटे को बचाने डिग्गी में कूदी मां, दोनों की मौत

बालोतरा, (निर्स)। धीरीमना क्षेत्र के स्वामियों की बेरी गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। पानी से भरी डिग्गी में डूबने से मां और उसके मासूम बेटे की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छह वर्षीय बालक अपने ननिहाल में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए मां के साथ आया हुआ था। खेलते समय अचानक उसका पैर फिसल गया और वह पानी से भरी डिग्गी में जा गिरा। बेटे को डूबता देख 32 वर्षीय मां उसे बचाने के लिए तुरंत डिग्गी में कूद गई, लेकिन पानी अधिक गहरा होने के कारण दोनों बाहर नहीं निकल सके और डूबने से उनकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। स्थानीय गोताखोरों और सिविल डिफेंस की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद मां-बेटे के शव डिग्गी से बाहर निकाले। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए दोनों शवों को धीरीमना उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। यह हादसा धीरीमना क्षेत्र के स्वामियों की बेरी गांव में हुआ, जहां शादी की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं।

मुख्यमंत्री ने देवास परियोजना का हवाई निरीक्षण किया



सीएम भजनलाल शर्मा ने देवास-3 एवं 4 पेयजल परियोजना का हवाई सर्वे किया।

कठूमर के खेतों में काम कर रहे किसानों पर पैथर का हमला, दो जने घायल

दोनों घायल किसानों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है

अलवर, (निर्स)। कठूमर के बल्लूपुरा रामगढ़ गांव में रोज की तरह रविवार सुबह भी किसान अपने खेतों में काम कर रहे थे। इसी दौरान वहां छिपे बैठे एक पैथर ने अचानक किसानों पर हमला बोल दिया। पैथर के इस अचानक हमले से खेत में काम कर रहे चतुर पुत्र निहाल सिंह यादव और बबली पुत्र बाबूलाल यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर जब आसपास के खेतों से दूसरे किसान दौड़े, तो पैथर वहां से भाग निकला। दोनों घायल किसानों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां फिलहाल उनका इलाज चल रहा है।

किसानों पर हमला करने के बाद पैथर भागकर पास ही मौजूद एक ऊंचे पेड़ पर चढ़ गया। वह पिछले कई घंटों से उसी पेड़ पर डेरा जमाए बैठा है। जैसे ही गांव में खबर फैली, पूरे इलाके में बैठसनी फैल गई। देखते ही देखते आसपास के कई गांवों से सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। लोगों के मन में पैथर को लेकर जहां एक तरफ भारी



धौलागढ़ थाना पुलिस, वन विभाग के एसीएफ, रेंजर और सरिस्का टाइगर रिजर्व की विशेष रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और पैथर को पकड़ने के प्रयास शुरू किये।

दहशत है, वहीं उसे करीब से देखने का कौतूहल भी बना हुआ है। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए धौलागढ़ थाना पुलिस, वन विभाग के एसीएफ, रेंजर और सरिस्का टाइगर रिजर्व की विशेष रेस्क्यू टीम तुरंत मौके पर पहुंच

गई। पैथर को सुरक्षित पकड़ने के लिए एक्सपर्ट्स और टैंकूलाइज (बेहोश करने वाली) टीम भी तैनात है। वन विभाग के आला अधिकारी लगातार पेड़ पर बैठे पैथर की हर हरकत पर नजर रख रहे हैं और उसे बिना नुकसान

पहुंचाए सुरक्षित रेस्क्यू करने का प्लान बना रहे हैं। वन विभाग और पुलिस प्रशासन ने मौके पर मौजूद भारी भीड़ को देखते हुए ग्रामीणों से पेड़ के पास न जाने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की सख्त अपील की है।

■ किसानों पर हमला करने के बाद पैथर भागकर पास ही मौजूद एक ऊंचे पेड़ पर चढ़ गया

■ पेड़ पर डेरा जमाए बैठा है पैथर, आसपास के गांवों से सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जमा हो गए

अधिकारियों का कहना है कि भीड़ के शोर से पैथर आक्रामक हो सकता है। इस घटना के बाद से बल्लूपुरा रामगढ़ में आसपास के इलाकों के किसानों व पशुपालकों में डर का माहौल है। ग्रामीणों ने मांग की है कि आबादी क्षेत्रों में सरिस्का से आने वाले वन्यजीवों की एंटी रोकने के लिए वन विभाग नियमित गश्त बढ़ाए। फिलहाल पैथर को काबू में करने की कोशिश लगातार जारी है। देर शाम तक पैथर पेड़ ही बैठा रहा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को उदयपुर की महत्वाकांक्षी देवास-3 एवं 4 पेयजल परियोजना का हवाई निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माणधीन देवास-3 एवं देवास-4 बांधों के डैम एक्सिस तथा टनल-3 के एंजिट 3.15 किमी, 5.325 किमी एवं 9.10 किमी सहित विभिन्न निर्माण स्थलों एवं कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने हवाई निरीक्षण के दौरान परियोजना की वर्तमान प्रगति एवं आगामी कार्ययोजना के संबंध में

■ सीएम भजनलाल शर्मा ने परियोजना के सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता एवं पूर्ण सुरक्षा मानकों के अनुरूप किए जाने के लिए निर्देश

विस्तृत चर्चा की। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता एवं पूर्ण सुरक्षा मानकों के अनुरूप तेज गति से पूर्ण किए जाएं, जिससे उदयपुर शहर और आसपास के क्षेत्रों की वर्तमान एवं भविष्य की

पेयजल आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को वरिष्ठ प्रशासनिक एवं तकनीकी अधिकारियों ने परियोजना के अंतर्गत बांध निर्माण, टनल निर्माण, अन्य प्रमुख निर्माण कार्यों एवं पुनर्वास संबंधी विभिन्न कार्यों की प्रगति से अवगत कराया।

डूंगरपुर के तालाब में डूबने से दो चचेरी बहनों की मौत

डूंगरपुर, (निर्स)। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के मांडवा में रविवार को तालाब में डूबने से दो चचेरी बहनों की मौत हो गई। दोनों बकरियां चराने के लिए गई थीं और तालाब में नहाने उतर गई थीं।

पुलिस के अनुसार यह घटना मांडवा में काली बाई पैनामा के सामने स्थित तालाब पर हुई। गर्मी अधिक होने के कारण दोनों बहनें तालाब के एक गड्ढे में भरे पानी में नहाने के लिए उतरी थीं। इसी दौरान वे गहरे पानी में डूब गईं। मृतक बच्चियों की पहचान मांडवा

■ दोनों बकरियां चराने के लिए गई थीं और तालाब में नहाने उतर गई थीं

निवासी 12 वर्षीय उषा कोटेट के रूप में हुई है, जो 8वीं कक्षा में पढ़ती थी। दूसरी बच्ची 12 वर्षीय नयना कोटेट पुत्री दशरथ कोटेट की हैं, जो 7वीं कक्षा की छात्रा थीं। दोनों चचेरी बहनें थीं। घटना को देखकर गांव का एक युवक दौड़कर मौके पर पहुंचा और दोनों

बच्चियों को पानी से बाहर निकाला। गांव के अन्य लोग भी मौके पर जमा हो गए और तत्काल दोनों को डूंगरपुर अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टर्स ने जांच के बाद दोनों बच्चियों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को जिला अस्पताल की मॉर्चरी में रखवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उषा और नयना दोनों के पिता इावर है और गाड़ी चलाते हैं। नयना के 4 भाई-बहन हैं। वहीं उषा के 6 भाई-बहन हैं।

जयपुर-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस रेल सेवा का शुभारंभ

केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिखाई हरी झंडी

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर के खातीपुरा रेलवे स्टेशन से जयपुर-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस रेल सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर रेल मंत्री ने सीकर जिले के खादूरग्रामजी क्षेत्र में सुंदरपुरा रेलवे स्टेशन के निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि नया स्टेशन खादूरग्रामजी से लगभग 11 किलोमीटर दूरी पर राष्ट्रीय राजमार्ग के निकट बनाया जाएगा। इसके लिए भूमि का चयन कर लिया गया है तथा अगले 12 महीनों में निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दीपा कुमारी, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी, जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा दरभंगा सांसद गोपाल टाकुर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े।



केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर के खातीपुरा रेलवे स्टेशन से जयपुर-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस रेल सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री दीपा कुमारी तथा सांसद घनश्याम तिवारी व सांसद मंजू शर्मा मौजूद थे।

से खादूरग्रामजी आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बड़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि जयपुर में विकसित मेगा कोचिंग टर्मिनल रेलवे अधीनस्थान को नई मजबूती प्रदान करेगा, जहां लगभग 450 रेलगाड़ियों का अनुक्षण किया जा सकेगा। इससे परिचालन दक्षता बढ़ेगी और यात्रियों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी। इस दौरान रेल मंत्री ने 205 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अत्याधुनिक मेगा

कोचिंग टर्मिनल का भी लोकार्पण किया। उन्होंने बताया कि यहां कुत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अधोभाग जांच प्रणाली, डिब्बा अवतरण गड्ढा मशीन, समकालिक डिब्बा उन्थापन प्रणाली तथा स्वचालित डिब्बा धुलाई संयंत्र जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं, जिसे रेलगाड़ियों के अनुक्षण की गुणवत्ता और क्षमता दोनों में वृद्धि होगी। वैष्णव ने सीकर रेलवे स्टेशन पर नई अनुक्षण लाइन के निर्माण की

घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि इससे रेलगाड़ियों की सफाई, तकनीकी जांच और रखरखाव की सुविधाएं सुदृढ़ होंगी तथा भविष्य में नई रेल सेवाओं के संचालन और क्षेत्रीय रेल संपर्क विस्तार को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बिहार के लिए सीधी रेल सेवा की लंबे समय से मांग थी, जो अब पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि जयपुर और दरभंगा के बीच सीधा रेल संपर्क स्थापित होने

वैष्णव ने खादूरग्रामजी के लिए नए सुंदरपुरा स्टेशन की घोषणा भी की
प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राजस्थान में हो रहा रेलवे सुविधाओं का विस्तार : सीएम भजनलाल शर्मा

से यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी तथा रोजगार, शिक्षा, पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि नई रेल सेवाएं विकसित भारत और विकसित राजस्थान के संकल्प को गति देने वाली हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। वर्ष 2009 से 2014 के दौरान राजस्थान को रेलवे के लिए औसतन 682 करोड़ रुपये का बजट मिलता था, जो वर्ष 2026-27 में बढ़कर 10,228 करोड़ रुपये हो गया है। वर्तमान में राजस्थान में 76,800

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में रेलवे सुविधाओं का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि सुंदरपुरा रेलवे स्टेशन बनने

नशे के सौदागरों पर ए.एन.टी.एफ. ने कसा शिकंजा

25 हजार का इनामी तस्कर गुजरात से गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। राजस्थान को नशामुक्त बनाने के अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने राज्यभर में मादक पदार्थ तस्करो के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन जिलों में भारी मात्रा में डोडा-चूरा और प्रतिबंधित नशीली दवाएं बरामद की हैं। इसके साथ ही एक वर्ष से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी तस्कर को गुजरात के वडोदरा से गिरफ्तार किया गया है। एएनटीएफ पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि विशेष अभियान के तहत 'ऑपरेशन

रजियाजनेय' में नागौर जिले के खीवर क्षेत्र निवासी 27 वर्षीय हनुमान उर्फ राजू को गिरफ्तार किया गया। वर्ष 2025 में श्रीगंगानगर के रजियासर थाने में दर्ज मादक पदार्थ तस्करी के मामले में वांछित हनुमान पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत खारिज होने के बाद वह गुजरात फरार हो गया था। इससे पहले उसे पकड़ने पहुंची पुलिस टीम पर हमला कर वह भाग निकला था। पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि एएनटीएफ टीम ने तकनीकी निगरानी, ई-मित्र से मिले

आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में डोडा-चूरा और प्रतिबंधित नशीली दवाएं बरामद

सुराग और वडोदरा में उसकी गतिविधियों पर नजर रखकर उसे एक पार्क से दबोच लिया। जांच में सामने आया कि पिता की मृत्यु के बाद 100 बीघा कृषि भूमि का मालिक बनने के बावजूद वह ऐशो-आराम की जिंदगी के लालच में मादक पदार्थ तस्करी के धंधे

में उतर गया था। इधर फ्लोदी जिले के लोहावट क्षेत्र में जाखंडों की दाणी पलाना में कार्रवाई कर आरोपी भोमाराम जाट को गिरफ्तार कर उसके घर से 15.406 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया गया। वहीं चितौड़गढ़ जिले के भादसोडा थाना क्षेत्र में उदयपुर-चितौड़गढ़ हाईवे स्थित एक होटल पर स्निफर डॉग की सहायता से दबिश देकर 3.780 किलोग्राम डोडा-चूरा जन्त किया गया तथा होटल संचालक लक्ष्मण राम देवासी को गिरफ्तार किया गया। उदयपुर के सूरजपोल क्षेत्र में एएनटीएफ ने ई-मित्र

संचालक रवि अठवाल को स्कूटी सहित पकड़कर उसके कब्जे से 40 प्रतिबंधित नशीले केप्सूल बरामद किए। आरोपी कथित रूप से स्कूटी के जरिए नशीली दवाओं की सप्लाई कर रहा था। एएनटीएफ के महानिरीक्षक विकास कुमार ने कार्रवाई में शामिल एएनटीएफ एवं स्थानीय पुलिस टीमों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित करने की घोषणा की है। उन्होंने आमजन से अपील की कि मादक पदार्थ तस्करी या संदिग्ध गतिविधियों की सूचना एएनटीएफ को दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किये मां अम्बाजी शक्ति पीठ के दर्शन



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को गुजरात के बनासकांठा स्थित अम्बाजी शक्ति पीठ में दर्शन किए। उन्होंने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर देश एवं प्रदेश की खुशहाली, सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। इस अवसर पर शक्तिपीठ प्रबंधन की ओर से मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए मां अम्बे की प्रतिमा भेंट की गई। कार्यक्रम के दौरान पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, सांसद मदन राठौड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सुभाष चौक क्षेत्र में 1350 किलो विस्फोटक सामग्री जब्त

जयपुर। शहर के सुभाष चौक थाना पुलिस ने अवैध रूप से संग्रहित पटाखों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 1350 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री (पटाखे) जब्त की है। पुलिस ने विभिन्न ब्रांडों के कुल 67 कार्टनों में रखे गए पटाखों को बरामद किया है। मामले में एक आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) पीयूष कविया ने बताया कि यह कार्रवाई खो नागोरियान क्षेत्र में हाल ही में हुए अवैध पटाखा फेक्ट्री हादसे के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर गठित विशेष टीम द्वारा की गई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि चाणक्य मार्ग, तनसुख श्रीमाल की गली स्थित मकान नंबर 971 के एक कमरे में भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखी हुई है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर दबिश दी। तलाशी के दौरान कमरे से विभिन्न कंपनियों के पटाखों से भरे 67 कार्टन बरामद किए गए, जिनका कुल वजन लगभग 1350 किलोग्राम पाया गया। पुलिस ने समस्त सामग्री को

बिना लाइसेंस चल रहा था कारोबार, आरोपी फरार

जब्त कर लिया। थानाधिकारी ओमवीर सिंह ने बताया कि जांच में सामने आया कि बरामद पटाखे रोहित अग्रवाल के कब्जे वाले कमरे में रखे हुए थे। पूछताछ में पता चला कि आरोपी बिना किसी वैध लाइसेंस के मौसमी पटाखा कारोबार कर रहा था। कार्रवाई के दौरान आरोपी मौके से फरार हो गया। उसके खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार अवैध रूप से विस्फोटक सामग्री का भंडारण जन सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। ऐसे मामलों में लगातार निगरानी रखी जा रही है और अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल रामनिवास, कांस्टेबल प्रकाश चंद, मुकेश सिंह, कुलदीप सिंह एवं दिनेश कुमार को महत्वपूर्ण भूमिका रही।

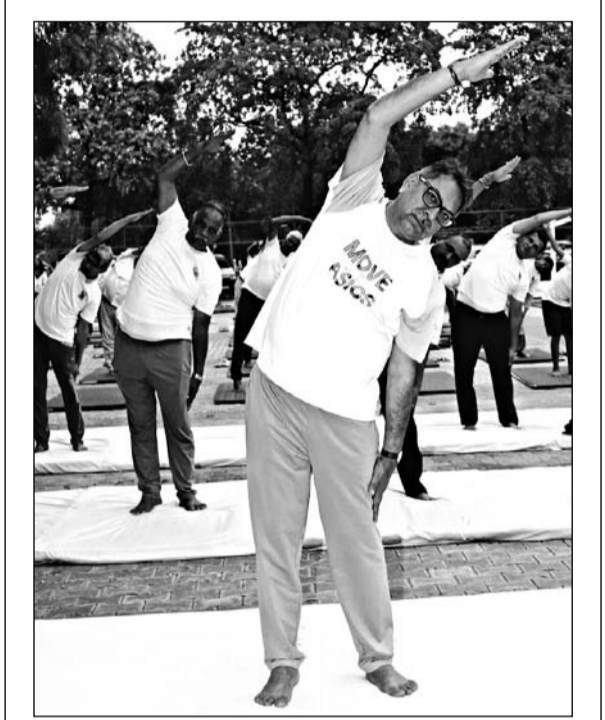
12वीं में पास कराने का झांसा देकर छात्रा से 22 हजार रु. ठगे

जयपुर। नारायण विहार थाना क्षेत्र में 12वीं कक्षा ओपन बोर्ड से पास कराने का झांसा देकर एक छात्रा से 22 हजार रुपये ठगने और फर्जी मार्कशीट देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी शिक्षक प्रेमचंद के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हेड कांस्टेबल सुभाष चन्द ने बताया मामला सरोवर निवासी 19 वर्षीय छात्रा ने रिपोर्ट करवाई है कि उसके पिता के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण वह नियमित पढ़ाई नहीं कर सकी थी और ओपन बोर्ड से 12वीं करना चाहती थी। इसी दौरान एक परिचित ने उसे प्रेमचंद नामक शिक्षक के बारे में बताया। आरोपी ने छात्रा और उसकी मां को नारायण विहार स्थित अपने घर बुलाकर 22 हजार रुपये में टयूशन सहित 12वीं की पढ़ाई और परीक्षा पास कराने का दावा किया।

मनरेगा संविदाकर्मियों ने दी प्रदेश में आंदोलन की चेतावनी

जयपुर। मनरेगा (बीबी-जीरामजी) संविदा कर्मिक संघ के प्रदेशाध्यक्ष दिनेश मीना ने चेतावनी दी है कि अगर राज्य सरकार ने शीघ्र ही सेवा नियम जारी कर कर्मचारियों का नियमितकरण नहीं किया तो 1 जुलाई से पूरे राजस्थान में मनरेगा संविदा कर्मिकों द्वारा "बीबी-जी राम जी" का बहिष्कार किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना में वर्ष 2005 से कार्यरत संविदा कर्मिकों को नियमितकरण की आस पूरी होती नजर नहीं आ रही है। पिछले 20-21 सालों में कई सरकारें आई व गई, परंतु किसी ने नियमितकरण की सुध नहीं ली। पूर्ववर्ती अशोक गहलोत की सरकार ने संविदा सेवा नियम 2022 बना कर हवाई घोषणाएं कर दी थी, लेकिन आज तक मनरेगा संविदा कर्मिकों का नियमितकरण नहीं हुआ। ग्रामीण विकास विभाग से संविदात्मक पदों को नियमित पदों

में संपरिवर्तन करते हुए प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृतियां जारी कर दी गई है, लेकिन आज तक सेवा नियम जारी नहीं हो पाये। ग्रामीण विकास मंत्री ने विधानसभा में आय-व्यय की मांग संख्या-53 के तहत ग्रामीण विकास विभाग में मनरेगा के संविदा कर्मिकों को नियमित करने के लिए सेवा नियम ग्रामीण विकास विभाग में बनाने की घोषणा की थी। इसके उपरान्त सेवा नियम की पत्रावली कार्मिक विभाग से अनुमोदन होकर पिछले 2 माह से अधिक समय से वित्त विभाग में विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 1 जुलाई से पूरे प्रदेश में महात्मा गांधी नरंगा के स्थान पर "बीबी-जी राम जी" लाए करने जा रही है। उन्होंने कहा कि मात्र 16900 रुपये के अल्प मानदेय में वर्तमान दौर में जीवन यापन करने मुश्किल हो गया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि सरकार जुमले बाजी करना बंद कर यथाशीघ्र नियमितकरण करे।



भाजपा हरियाणा प्रभारी तथा राज्यसभा सांसद डॉ. सतीश पुनियां ने मुरथल, सोनीपत स्थित दीनबन्धु छोटराम विश्वविद्यालय में आयोजित योग कार्यक्रम में खिलाड़ियों, आमजन एवं कार्यकर्ताओं के साथ योगाभ्यास किया। इस मौके पर भाजपा हरियाणा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडौली, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बबीता फोगाट, विजेन्द्र बॉक्सर, प्रदीप नरवाल, पूर्व मंत्री कविता जैन, वाइस चांसलर प्रो. प्रकाश सिंह भी उपस्थित रहे।

स्वामी रामदेव ने आंध्रप्रदेश से किया "योगमय राष्ट्र" का आव्हान

विजयवाड़ा। योगरूढ़ि स्वामी रामदेव ने आंध्रप्रदेश के अमरावती (विजयवाड़ा) में कृष्णा नदी क्षेत्र से योगमय राष्ट्र व योगमय विश्व का आव्हान किया।



यह कार्यक्रम पतंजलि योगपीठ तथा आंध्र प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वाधान में हुआ था। जिसमें आचार्य बालकृष्ण महाराज भी उपस्थित रहे। इस वर्ष योग दिवस की थीम "स्वस्थ आयु के लिए योग" रही। वृत्तों कार्यक्रम प्रातः 5 बजे से प्रारंभ हो गया था, किंतु सरकारी कार्यक्रम के योग प्रोटोकॉल अनुसार स्वामी रामदेव महाराज, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू एवं आचार्य बालकृष्ण महाराज ने 45 मिनट की मानकीकृत योग दिनचर्या का अनुपालन करते हुए लगभग हजारों योग साधकों को योग का अभ्यास कराया। प्रारंभ में प्रार्थना, ग्रीवा, कंधा, कमर और

चुटनों से सम्बंधित चालन क्रियाओं का अभ्यास कराया गया, तत्पश्चात खड़े होकर करने वाले आसनों में ताडासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्ध चक्रासन और त्रिकोणासन, बैठकर करने वाले आसनों में भद्रासन, वज्रासन, अर्ध उष्ट्रासन, शशाकासन और उत्तान मंडूकासन, प्रेम के बल लेटकर करने

वाले आसनों में मकरासन, भुजंगासन और शलभासन, पीठ के बल करने वाले आसनों में सेतुबंधासन, उत्तानपादासन, अर्ध हलासन और पवनमत्स्यासन का अभ्यास कराया। अंत में प्राणायाम और ध्यान के लिए अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, और ध्यान व संकल्प का अभ्यास कराया गया।

पुलिस-प्रशासन की कड़ी निगरानी में संपन्न हुई "री-नीट" परीक्षा

अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले श्री-लेयर सिक्वोरिटी जांच से गुजरना पड़ा

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) की पुनः परीक्षा रविवार को राजधानी जयपुर में कड़े सुरक्षा प्रबंधों और प्रशासनिक निगरानी के बीच शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। जयपुर जिले के 103 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित परीक्षा में 37128 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। जिनमें से 34031 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 3,097 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार कुल उपस्थित 91.66 प्रतिशत दर्ज की गई। परीक्षा दोपहर 2 बजे शुरू होकर शाम 5:15 बजे समाप्त हुई। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीई) ने अभ्यर्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया। परीक्षा समाप्त होने के बाद 22 गोदाम सिकिल, परकोटा क्षेत्र के प्रमुख बाजारों तथा शहर के कई व्यस्त मार्गों पर परीक्षाार्थियों और उनके परिजनों की भीड़ उमड़ने से यातायात व्यवस्था प्रभावित नहीं और कई स्थानों पर वाहन रंगते नजर आए। परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए इस बार अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले श्री-लेयर सिक्वोरिटी जांच से



नीट परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश देने से पूर्व पुलिस ने उनकी गहनता से जांच की।

सहायता से अभ्यर्थियों के बालों तक की गहन जांच की। निर्धारित समय के अनुसार दोपहर 1:30 बजे परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार बंद कर दिए गए और इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया गया। गांधी नगर स्थित केंद्रों पर अंतिम समय तक लाउडस्पीकर के माध्यम से अभ्यर्थियों को समय पर पहुंचने के निर्देश दिए जाते रहे।

जयपुर जिले में 103 परीक्षा केंद्रों पर 37128 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 91.66 प्रतिशत उपस्थित हुए

सुरक्षा व्यवस्था को अंधेध बनाए रखने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर राजस्थान पुलिस के साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान तैनात रहे। सीआरपीएफ की निगरानी में ही प्रश्न पत्र परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाए गए। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे एवं जैमर लगाए गए थे। वहीं एहतियात के तौर पर परीक्षा केंद्रों के आसपास संचालित साइबर कैफे और ई-मित्र केंद्रों की इंटरनेट सेवाएं भी बंद रखी गईं। जिला कलेक्टर संदेश नायक ने स्वयं परीक्षा व्यवस्था को मॉनिटरिंग करते हुए महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल गांधी नगर, शहीद अभय कुमार पारीक सीनियर सेकेंडरी स्कूल सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके अलावा केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1, 3 और 4, पोद्दार

मॉर्निंग वॉक पर निकली वृद्धा से चेन स्नैचिंग

जयपुर। मालवीय नगर थाना क्षेत्र में मॉर्निंग वॉक पर निकली एक बुजुर्ग महिला के गले से सोने की चेन छपट कर ले जाने का मामला सामने आया है। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश बाइक पर सवार होकर फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। एएसआई गंगा सहाय ने बताया कि मालवीय नगर निवासी 74 वर्षीय उर्मिला अपनी दो सहेलियों के साथ सुबह टहलने निकली थीं। उपा कॉलोनी रोड पर वॉक के दौरान एक युवक हेलमेट लगाए अपनी बाइक के साथ खड़ा था। महिलाओं के वहां से आगे बढ़ने पर वह पैदल उनका पीछा करने लगा। कुछ दूरी पर पहुंचते ही बदमाश ने पीछे से झपट्टा मारकर उर्मिला के गले से सोने की चेन तोड़ ली। घटना के बाद महिला और उनकी सहेलियों ने शोर मचाते हुए बदमाश का पीछा किया, लेकिन आरोपी तेजी से अपनी बाइक स्टार्ट कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा बाइक सवार चेन स्नेचर की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

झुंझुनूं में बदमाशों ने प्रॉपर्टी कारोबारी के परिवार को बंधक बनाकर लाखों की डकैती की

बदमाश करीब 60 तोला सोना, डेढ़ किलो चांदी और डेढ़ से दो लाख रुपये लूटकर फरार हो गये

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के मलसीसर रोड स्थित बिलाल नगर क्षेत्र में शनिवार देर रात एक लूट की वारदात हुई। हथियारों से लैस छह से सात बदमाशों ने एक प्रॉपर्टी कारोबारी के घर में घुसकर पूरे परिवार को बंधक बना लिया और लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण तथा नकदी लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

■ **बदमाशों ने घर में मौजूद सभी लोगों के हाथ-पैर टेप, तार, चादर और कपड़ों से बांध दिए, 10 वर्षीय बच्चे तक को नहीं छोड़ा**

■ **घटना के तरीके को देखकर आशंका जताई जा रही है कि बदमाशों ने पहले से घर की रेकी कर रखी थी**

जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर-59 स्थित बिलाल नगर निवासी प्रॉपर्टी व्यवसायी शम्भेर सैय्यद उर्फ बाबू के घर रात करीब सवा एक बजे चेहरे ढके हुए छह से सात बदमाश घुस आए। घर में प्रवेश करते ही आरोपियों ने हथियारों के बल पर परिवार के सदस्यों को अपने कब्जे में ले लिया। परिवर्जनों के अनुसार



लूट की वारदात के बाद पुलिस टीम ने मौके पर जांच शुरू की।

बदमाशों ने एक युवक की कनपटी पर रिवाल्वर तानकर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी, जिसके चलते कोई भी उनका विरोध नहीं कर सका। बदमाशों ने घर में मौजूद सभी लोगों के हाथ-पैर टेप, तार, चादर और कपड़ों से बांध दिए। हैरानी की बात यह रही कि आरोपियों ने घर में मौजूद 10 वर्षीय बच्चे तक को नहीं छोड़ा। महिलाओं को अलग कमरे में बंद कर दिया गया ताकि वे किसी को सूचना न दे सकें। परिवार के अनुसार बदमाश कट्टों, रिवाल्वर और चाकुओं जैसे हथियारों से लैस थे। उन्होंने पूरे

घर की बारीकी से तलाशी ली और अलमारियों, बक्सों तथा अन्य स्थानों पर रखे कीमती सामान को खंगाल डाला। बदमाश करीब 60 तोला सोना, डेढ़ किलो चांदी और लगभग डेढ़ से दो लाख रुपये नकद समेटकर फरार हो गए।

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी घर में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी अपने साथ ले गए। माना जा रहा है कि पहचान दिया गया ताकि वे किसी को सूचना न दे सकें। परिवार के अनुसार बदमाश कट्टों, रिवाल्वर और चाकुओं जैसे हथियारों से लैस थे। उन्होंने पूरे



बदमाशों ने लूट करने के लिये अलमारियों में रखा सामान बिखेर दिया।

बदमाशों ने पहले से घर की रेकी कर रखी थी। जिस सुनिश्चित ढंग से उन्होंने घर में प्रवेश किया, परिवार को बंधक बनाया और सीधे कीमती सामान तक पहुंचे, उससे उनकी पूर्व तैयारी साफ नजर आती है।

सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस को भेजा गया। पुलिस ने आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जुटाई शुरू कर दी है। संदिग्धों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विभिन्न पहलुओं पर जांच की जा रही है।

इस लूटकांड के बाद स्थानीय लोगों में भारी रोष व्याप्त है। नागरिकों का कहना है कि शहर में लगातार बढ़ रही चोरी और लूट की घटनाओं ने आमजन की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी और रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने की मांग की है। फिलहाल पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी हुई है और मामले की जांच जारी है। यह वारदात झुंझुनूं में हाल के वर्षों की सबसे बड़ी और साहसिक लूट की घटनाओं में से एक मानी जा रही है।

अलवर में नीट यूजी परीक्षा से पहले महिला लेक्चरर की तबीयत बिगड़ी

अलवर, (निसं)। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट नीट यूजी 2026 री-एग्जाम अलवर के 22 सेंटर पर पूरा हो गया है। कैंडिडेट्स को कड़ी सुरक्षा में एंट्री दी गई। 1.30 बजे सभी सेंटर के गेट बंद कर दिए गए।

■ **कैंडिडेट्स को टाइम देखने के लिए राज ऋषि कॉलेज में पेड़ पर घड़ी लगाई**

इसके बाद 2 बजे से परीक्षा शुरू हुई, जो 5.15 बजे पूरी हो गई। एग्जाम शुरू होने से पहले एंट्री के दौरान एक सेंटर पर कैंडिडेट के रुमाल की भी जांच की गई। वहीं, टाइम देखने के लिए राज ऋषि कॉलेज में पेड़ पर घड़ी लगा दी गई, ताकि आने वाले अभ्यर्थी समय देख सकें। कला कॉलेज में मुख्य गेट पर भी घड़ी लगाई गई। अंदर क्लास में भी एनटीए ने अपनी घड़ी लगावाई। परीक्षा केंद्रों के मुख्य गेट पर पुलिस की पूरी निगरानी रही।

वहीं, एग्जाम शुरू होने से पहले ही बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय में महिला लेक्चरर (वीक्षक) की तबीयत बिगड़ गई। जिनको



कैंडिडेट्स की जांच कर कड़ी सुरक्षा में एंट्री दी गई।

तुरंत अस्पताल भिजवाया गया। अलवर में करीब 10 हजार स्टूडेंट्स री-नीट में शामिल हुए। हर सेंटर पर एनटीए की मेजी घड़ी लगाई गई। अभ्यर्थियों को एग्जाम सेंटर में केवल पाददर्शी पानी की बोतल, एडमिट कार्ड, फोटो व आधार कार्ड ही लाने की छूट दी गई। पेन भी अंदर ही दिया गया। अभ्यर्थियों से एग्जाम हॉल में एक बार शुरूआत में, फिर दूसरी बार आखिरी में साइन कराए गए। एग्जाम दोपहर 2

बजे से शाम 5:15 बजे तक चला। परीक्षा से पहले सभी केंद्रों पर क्वीकिंग सेशन आयोजित किए गए थे, जिसमें वीक्षकों को एनटीए की सख्त गाइडलाइंस की जानकारी दी गई थी। अलवर में केवी स्कूल इंटराणन व केवी स्कूल मोती इंग्रारी पर दिव्यांग अभ्यर्थी ने एग्जाम दिया। केवी स्कूल इंटराणन में एक ब्लाईंड अभ्यर्थी ने परीक्षा दी।

ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के विरोध में किसानों का मौन जुलूस आज

कोटपुतली, (निसं)। ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के निर्माण को निरस्त करने की मांग को लेकर सोमवार 22 जून को कोटपुतली में किसानों द्वारा विशाल मौन जुलूस निकाला जायेगा। किसान महापंचायत के बैर तले आयोजित होने वाले इस आंदोलन में क्षेत्र के हजारों किसानों के जुटने की संभावना है। मौन जुलूस सोमवार प्रातः 11 बजे से नगर परिषद कार्यालय के सामने से प्रारम्भ होकर जिला कलेक्टर कार्यालय

पहुँचकर समाप्त होगा। **जमीन बचाने के लिए एकजुट हुए किसान** :- जमीन हमारी-निर्णय हमारा और किसान एकता जिंदाबाद के नारों के साथ किसान इस परियोजना का कड़ा विरोध कर रहे हैं। किसान नेताओं का कहना है कि एक्सप्रेस-वे के निर्माण से उनकी उपजाऊ कृषि भूमि छिन जायेगी, जिससे उनका भविष्य संकट में आ जायेगा। इस मौन जुलूस के जरिये

किसान प्रशासन और सरकार तक अपनी आवाज शांतिपूर्ण तरीके से पहुंचायेगी। किसान महापंचायत के जिलाध्यक्ष बाबूलाल चौधरी व तहसील अध्यक्ष हरसहाय तंवर ने क्षेत्र के किसानों से इस आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया है। उन्होंने एकजुट किसान-मजदूर किसान का संदेश देते हुए सभी से इस शांतिपूर्ण मौन जुलूस को सफल बनाने की अपील की।

रुपये उधार नहीं देने पर व्यापारी की हत्या की थी, आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। कोतवाली थानाधिकारी भंवरलाल के नेतृत्व में गठित थाना पुलिस टीम व डीएसटी ने बड़ा कुआं क्षेत्र में ब्रज इलेक्ट्रीकल्स के मालिक की हत्या कर लूट के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर माल बरामद किया गया। जांच में सामने आया कि रुपये उधार नहीं देने पर आरोपी ने व्यापारी की हत्या कर दी थी।

जिला पुलिस अधीक्षक ने रविवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर बताया कि थाना कोतवाली, डीएसटी, सायबर सैल की टीम एवं घटनास्थल का एफएसएल टीम व एमआईयू टीम द्वारा मौका निरीक्षण कर साक्ष्य संकलित किये गया। मौके पर मिले सबूत जब्त किये गये। मृतक का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करा शव परिवर्जनों को सुपुर्द किया गया। इस दौरान टीम ने आरोपी की तलाश कर आरोपी को निशानेबंदी से लुट्टी गई सोने की चेन व सोने की अंगूठी व घटना

■ **पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सोने की चेन, अंगूठी तथा मोटरसाइकिल जब्त की**

में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई। घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी व रस्सी के बरामदगी के प्रयास जारी है। उल्लेखनीय है कि घटना 19 जून की है, जिसमें मोतीवाग रोड पर ब्रज इलेक्ट्रीकल्स के मालिक पवन कुमार गर्ग की अज्ञात आरोपियों ने दुकान के उपर बने कमरे में पहुंचा और उसके साथ शराब पार्टी की तथा बाद में पवन कुमार गर्ग पर धोखे से कुल्हाड़ी से पीछे की ओर सिर पर वार कर हत्या कर दी व मृतक के जिंदा होने की आशंका पर रस्सी से गला घोंट दिया। आरोपी मृतक के शरीर पर पहनी हुई सोने की चेन व सोने की अंगूठी लेकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मृतक की ली गई सामग्री एक सोने की चेन, सोने की अंगूठी तथा एक मोटरसाइकिल जब्त की है।

उधार मांगे, जिस पर मृतक द्वारा रुपये उधार देने से इंकार कर दिया। मृतक द्वारा आरोपी को रुपये उधार देने से इंकार करने पर रंजिशवश आरोपी ने प्लान बनाकर कुल्हाड़ी व रस्सी लेकर अपना मुंह ढककर पवन कुमार गर्ग की दुकान के उपर बने कमरे में पहुंचा और उसके साथ शराब पार्टी की तथा बाद में पवन कुमार गर्ग पर धोखे से कुल्हाड़ी से पीछे की ओर सिर पर वार कर हत्या कर दी व मृतक के जिंदा होने की आशंका पर रस्सी से गला घोंट दिया। आरोपी मृतक के शरीर पर पहनी हुई सोने की चेन व सोने की अंगूठी लेकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मृतक की ली गई सामग्री एक सोने की चेन, सोने की अंगूठी तथा एक मोटरसाइकिल जब्त की है।

जोधपुर में साबरमती स्पेशल ट्रेन का स्वागत

जोधपुर, (कासं)। नई रेलसेवा 04707 बीकानेर-साबरमती उद्घाटन स्पेशल ट्रेन के रविवार अपराह्न जोधपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों, यात्रियों और रेलवे अधिकारियों ने स्वागत किया। प्लेटफार्म संख्या एक पर पहली बार पहुंची इस उद्घाटन विशेष रेलसेवा के आमजन पर चालक दल का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर ट्रेन के लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इसके बाद विधायक अतुल भंसाली ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को साबरमती के लिए रवाना किया।

इस दौरान विधायक भंसाली ने कहा कि यह नई रेलसेवा आम यात्रियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी तथा राजस्थान और गुजरात के बीच बेहतर रेल कनेक्टिविटी को मजबूती देगी। उन्होंने इस नई सौगात के लिए अश्विनी बैण्णव के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (केरिज एंड बैगन) अमित स्वामी, सहायक वाणिज्य प्रबंधक बी. के. गौड़, सहायक परिचालन प्रबंधक मोहनदान, स्टेशन अधीक्षक विजय लाल, वाणिज्य निरीक्षक रतन सिंह गुर्जर, स्टेशन उपाधीक्षक (वाणिज्य) महेंद्र माथुर तथा दिनेश चंद्र मीणा सहित बड़ी संख्या में रेलवे अधिकारी, सुपरवाइजर, निरीक्षक और यात्री उपस्थित रहे। रेलवे के अनुसार इस नई रेलसेवा का नियमित संचालन सोमवार से प्रारंभ होगा, जिससे मार्ग के यात्रियों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध होगी।

पाली में पांच केंद्रों पर नीट परीक्षा हुई

पाली, (निसं.)। पाली में रविवार को पांच केंद्रों पर नीट यूजी की परीक्षा आयोजित की गई। बांगड स्कूल सेंटर पर एक अभ्यर्थी को चक्कर आने से तबियत खराब होने पर सूचना पर उसे बांगड अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक इलाज कर छुट्टी दी।

पाली शहर के बांगड कॉलेज, बालिया स्कूल परीक्षा केंद्र पर कड़ी सुरक्षा के बीच प्रवेश दिया जा रहा था। इस दौरान कई जनों ममत के धागे काटे जा रहे थे, वहीं चरमा भी उतार कर चेक किया। परीक्षा को लेकर करीब 2080 परीक्षार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कवाचा था 1080 ने भाग लिया, 243 गैर हाजिर रहे। पाली के पांच परीक्षा केंद्र बांगड कॉलेज, बांगड स्कूल, बलिया स्कूल, गलस कॉलेज में परीक्षार्थियों को वीडियो डाभी, बायोमेट्रिक, जांच के बाद परीक्षा में प्रवेश किया। सुबह 11 से 1:30 बजे तक प्रवेश दिया गया।

रिसॉर्ट के बंद कमरे में युवक का शव मिला

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के गुड़ा रोड स्थित शेखावाटी रिसॉर्ट एंड बार में शनिवार को एक युवक का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। युवक शुकुवार को रिसॉर्ट में ठहरा था, लेकिन अगले दिन चेकआउट के निर्धारित समय पर कमरे से बाहर नहीं निकले और फोन का जवाब नहीं देने पर होटल स्टाफ को अनहोनी की आशंका हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने खिड़की से अंदर झांककर देखा तो युवक का शव फंदे से लटका मिला।

कोतवाली थाना पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान पिंठू (27) पुत्र हीरालाल, निवासी भोजनगर (परसरामपुरा), थाना नवलगढ़ के रूप में हुई है। बताया गया है कि पिंठू शुकुवार को शेखावाटी रिसॉर्ट एंड बार में ठहरे आया था। शनिवार सुबह करीब 11 बजे उसका चेकआउट निर्धारित था। समय बीत जाने के बाद भी जब वह कमरे से बाहर नहीं निकला तो होटल कर्मचारियों ने कमरे के इंटरकॉम पर कई बार संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद स्टाफ कमरे के बाहर पहुंचा और काफी देर तक दरवाजा खटखटाया, मगर अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। स्थिति संदिग्ध लगने पर होटल प्रबंधन ने तत्काल कोतवाली थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सब-इंस्पेक्टर

■ **चेकआउट समय पर नहीं मिला जवाब, खिड़की से झांकने पर फंदे से लटका मिला युवक**

हिदायत खान पुलिस जांचे के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस की मौजूदगी में कमरे के पीछे बनी खिड़की से अंदर देखा गया, जहां युवक का शव फंदे से लटका दिखाई दिया। इसके बाद दरवाजा खुलवाकर पुलिस टीम कमरे में पहुंची और जांच शुरू की। मृतक के पास मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान की गई। पुलिस ने परिवर्जनों को सूचना देकर मौके पर बुलाया। परिवर्जनों के पहुंचने के बाद उनकी मौजूदगी में शव को नीचे उतारा गया और राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पोस्टमार्टम की कार्यवाही के बाद शव परिवर्जनों को सौंप दिया गया।

पुलिस के अनुसार घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। युवक द्वारा यह कदम उठाने के पीछे क्या कारण रहे, इसका फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। कोतवाली थाना पुलिस ने मार्ग दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है तथा युवक के परिवर्जनों एवं परिचितों से पूछताछ कर घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

भीण्डर में डिग्गी में डूबने से युवक की मौत

■ **दो घंटे की मशक्कत के बाद निकाला गया शव**

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर क्षेत्र के निकटवर्ती गढ़ी गांव में रविवार शाम एक दर्दनाक हादसे में 19 वर्षीय युवक की खेत पर बनी पानी संग्रहण की डिग्गी में डूबने से मौत हो गई। करीब 15 फीट गहरी डिग्गी में युवक के डूबने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों और पुलिस ने उसे बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए, लेकिन लगभग दो घंटे की लगातार मशक्कत के बाद उसका शव बाहर निकाला जा सका। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर छा गई।

जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर करीब चार बजे कानोड़ क्षेत्र के तीन युवक गढ़ी गांव स्थित एक खेत पर बनी डिग्गी में नहाने के लिए पहुंचे थे। तीनों युवकों को तेरना कम आता था और वे हवा भरे टायरब के सहारे पानी में तैर रहे थे। इसी दौरान कानोड़ के कुम्हारों का मोस्टला निवासी कुलदीप पुत्र गणेश खटीक (19) डिग्गी के बीच हिस्से में पहुंच गया। अचानक उसके हाथ से टायरब छूट गया और वह गहरे पानी में डूबने लगा। कुलदीप के साथ हिस्से में पहुंचे दो अन्य बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह देखते ही देखते पानी में समा गया। घबराए दोनों युवक सहायता के लिए करीब आधा किलोमीटर दूर स्थित रंगारामावी बस्ती की ओर दौड़े और ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही रंगारामावी बस्ती निवासी भरत रंगारामावी मौके पर पहुंचे

और बिना देर किए डिग्गी में छलांग लगाकर युवक की तलाश शुरू कर दी। इसके बाद कई ग्रामीण भी पानी में उतर गए और लगातार खोजबीन करते रहे, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी।

घटना की सूचना मिलने पर भीण्डर पुलिस भी मौके पर पहुंची। कॉन्टेबल जनकराज, स्थानीय तैराक प्रकाश लाला पण्डिया, बबूल शेख तथा भरत रंगारामावी सहित अन्य लोगों ने संयुक्त रूप से युवक की तलाश शुरू की। करीब दो घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद डिग्गी के बीच हिस्से में तैराक प्रकाश लाला पण्डिया को युवक का शव दिखाई दिया। इसके बाद सभी तैराकों ने मिलकर शव को बाहर निकाला। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। भीण्डर थानाधिकारी मुकेश कुमार खटीक पुलिस जांचे के साथ मौके पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई शुरू करवाई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर भीण्डर चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया है, जहां सोमवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिवर्जनों को सौंप जाएगा। बड़े बेटे का शव देखकर पिता गणेश लाल खटीक का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

लालसोट में टेम्पो से मिला बैग मालिक को लौटाया

लालसोट, (निसं)। लालसोट क्षेत्र में ईमानदारी की एक प्रेरणादायक मिसाल सामने आई है। टेम्पो से गिरा कीमती सामान से भरा बैग एक राहगीर को मिला, जिसने लालच छोड़कर उसे सुरक्षित पुलिस के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार राजोली निवासी कविता बैराव अपने पीहर बाड़ीली राहुवास मोड़ से टेम्पो में बैठकर ससुपल जा रही थीं। इसी दौरान पीपली-पातलवास के पास उनका बैग टेम्पो से नीचे गिर गया। बैग में मोबाइल फोन, बच्चे के सोने-चांदी के आभूषण, 13,400 रुपये नकद, एटीएम कार्ड, आधार कार्ड तथा अन्य जरूरी सामान रखा हुआ था। दौसा से लालसोट की ओर आ रहे मूलचंद मीणा निवासी लक्ष्मणगढ़ (अलवर), जो वर्तमान में डिडवाना के मिडोरा स्थित राज फाउंडेशन संस्था में कार्यरत हैं, को यह बैग सड़क पर पड़ा मिला। बैग की जांच करने पर उसमें महत्वपूर्ण सामान देखकर उन्होंने उसे सीधे लालसोट पुलिस थाने में जमा कर दिया। पुलिस ने दस्तावेजों के आधार पर बैग की मालिक कविता बैराव की पहचान कर उन्हें थाने बुलाया और बैग में रखा पूरा सामान सकुशल उन्हें सौंप दिया।

सिद्धू मूसेवाला को जिस पिस्टल से मारा, उसका सप्लायर श्रीगंगानगर में गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की जिस जिगना और ग्लांक पिस्टल से गोलियां दागकर हत्या की गई, उन पिस्टल का सप्लायर और गैंगस्टर शकील अंसारी उर्फ आदिल श्रीगंगानगर पुलिस की गिरफ्त में है। शकील, गोल्डी बराड और रोहित गोदारा गैंग का प्रमुख हैडलर है, जो श्रीगंगानगर में एक बिजनेसमैन पर फायरिंग करने के मकसद से आया था। इसके अलावा वह उत्तर भारत में सक्रिय गैंगस्टर नेटवर्क का भी मेंबर है। पूछताछ में शकील ने बताया कि सिद्धू मूसेवाला पर ऑस्ट्रिया, जर्मनी और तुर्की की ग्लांक इ-30, जिगना पिस्टल से गोलियां चलाई गई थीं। शकील ने बताया कि एक पिस्टल की कीमत करीब 6 लाख रुपए है। गैंगस्टर और उभरते हुए बदमाशों को यह पिस्टल उपलब्ध कराता है। वारदात करने के बाद बदमाशों से हथियारों को वापस ले लेता है। इसके बाद उन्हें दूसरी वारदात में उपयोग किया जाता है। बड़ी

■ **पिस्टल सप्लायर और गैंगस्टर शकील अंसारी उर्फ आदिल पर हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान में कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं**

इस्तेमाल हुए तुर्कीय और ऑस्ट्रिया निर्मित हथियार उपलब्ध कराए थे। आरोपी श्रीगंगानगर में एक बिजनेसमैन पर फायरिंग करने के मकसद से आया था। इसके अलावा वह उत्तर भारत में सक्रिय गैंगस्टर नेटवर्क का भी मेंबर है। पूछताछ में शकील ने बताया कि सिद्धू मूसेवाला पर ऑस्ट्रिया, जर्मनी और तुर्की की ग्लांक इ-30, जिगना पिस्टल से गोलियां चलाई गई थीं। शकील ने बताया कि एक पिस्टल की कीमत करीब 6 लाख रुपए है। गैंगस्टर और उभरते हुए बदमाशों को यह पिस्टल उपलब्ध कराता है। वारदात करने के बाद बदमाशों से हथियारों को वापस ले लेता है। इसके बाद उन्हें दूसरी वारदात में उपयोग किया जाता है। बड़ी

वारदातों को गैंगस्टर रोहित गोदारा और गोल्डी बराड के कहने पर किया जाता है। पूछताछ में सामने आया कि उनके पास इन पिस्टल्स का कलेक्शन भी है, जिसे ठिकानों पर छिपाकर रखा जाता है। वह 11 जून को लुधियाना से श्रीगंगानगर में एक वारदात करने के लिए आया था, लेकिन मुठभेड़ में घायल होने से वह पुलिस की गिरफ्त में आ गया।

के साथ-साथ वारदात के बाद उन्हीं हथियारों को वापस लेकर दूसरे गैंगवार में मुहैया कराता था।

शकील पर पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि उसके संपर्क दुबई तक फैले हुए हैं और वह कई हाई-प्रोफाइल अपराधों में शामिल रहा है। अब पंचकूला पुलिस भी उसे प्रोडक्शन वारंट पर लेकर पूछताछ करेगी। पुलिस अप्सरों को उम्मीद है कि शकील से पूछताछ में गैंगस्टर नेटवर्क, हथियार तस्करों और कई बड़ी वारदातों से जुड़े खुलासे हो सकते हैं।

पंजाब के शूटर जसवींदर व हरप्रोत ने पूछताछ में लुधियाना के बदमाश शकील अंसारी का नाम बताया। बताया कि शकील अंसारी लो नाम हैडलर है, जो ऐसे कामों के लिए हथियार मुहैया करावा है और बाद में वापस भी लेता है। पंजाब के लुधियाना निवासी हाईकोर

बदमाश शकील अंसारी श्रीगंगानगर में किसी बड़ी फायरिंग की वारदात को अंजाम देने की फिराक में पहुंचा था। बाइक पर गए शकील अंसारी को राजस्थान पुलिस ने रोकने का प्रयास किया, तो उसने फायरिंग कर दी। दोनों ओर से कई राउंड गोलियां चलीं। इसी दौरान पुलिस की गोली शकील अंसारी के पैर में लगी, जिससे वह घायल होकर गिर गया। शकील अंसारी का पीछा पंचकूला पुलिस भी कर रही थी, लेकिन उससे पहले ही श्रीगंगानगर पुलिस ने उसका एनकाउंटर कर दिया। अब पंचकूला पुलिस आरोपी अंसारी को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर जाएगी। पुलिस को आशंका है कि माफिया अतीक और उसके भाई के अलावा बाबा सिद्दिकी समेत कई हाई प्रोफाइल केस में भी शकील का हाथ हो सकता है। ऐसे में फिलहाल शकील से पूछताछ जारी है, जिससे देशभर में फैले उसके नेटवर्क को खंगला जा सके।

■ **आरोपी को फांसी देने और परिजन को नौकरी की मांग पर कलैक्ट्रेट में डटे हुये**

■ **पुलिस ने हत्या के आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की**

पूछताछ कर रही है। और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

मृतक के परिजन मुकेश आमलिया ने बताया कि आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और उसे फांसी का नूना दिखाई जाए। उनका कहना है कि सुखराम परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था, जिसके निधन से परिवार पर आर्थिक संकट आ गया है। परिवर्जनों और ग्रामीणों ने मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी तथा परिवार को उचित आर्थिक मुआवजा देने की मांग भी उठाई है। उनका कहना है कि पीड़ित परिवार बेहद गरीब है और आजीविका का कोई अन्य साधन नहीं है। कलेक्ट्रेट के बाहर बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन अपनी मांगों को लेकर डटे हुए हैं। प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी लगातार परिजन से बातचीत कर रहे हैं, लेकिन उन्हें समझाने का प्रयास कर रहे हैं, और फिलहाल परिजन अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। ऐसे में हत्या के दूसरे दिन भी शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका है।

नक्की झील पर मुख्यमंत्री भजनलाल ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

मुख्यमंत्री ने आबू राज को सांस्कृतिक विरासत, प्रकृति व आत्मिक शांति का अद्भुत संगम बताया

आबू राज/जयपुर, 21 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सिरोंही जिले के आबू राज में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में योगाभ्यास किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कोलकाता में दिए गए संबोधन को भी सुना।

मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आबू राज की पावन गोद में बसा आबू राज अध्यात्म की भूमि है। यह हमारी सांस्कृतिक विरासत और प्रकृति तथा आत्मिक शांति का अद्भुत संगम है। यहां की निर्मल वायु, हरियाली और आध्यात्मिक वातावरण योग की मूल भावना को साकार करते हैं।

उन्होंने कहा कि देश ने योग को कर्म योग से जोड़कर व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के तौर पर विकास की शक्ति को कई गुना बढ़ा दिया है। आज योग विश्वव्यापी जन आंदोलन बन चुका है। उन्होंने कहा, यह गर्व का विषय है कि हमारी प्राचीन योग की परंपरा मानवता के कल्याण का वैश्विक माध्यम बन चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सिरोंही जिले के आबू राज में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में योगाभ्यास किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' है। इसका संदेश यह है कि योग केवल युवाओं तक सीमित नहीं, बल्कि यह बढ़ती उम्र के लोगों को भी शारीरिक रूप से सक्रिय, मानसिक रूप से संतुलित और भावनात्मक रूप से मजबूत रखने का सशक्त माध्यम है।

अरावली की वादियों में नक्की झील के किनारे आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को मन की स्थिरता, आत्मविकास, कर्तव्यनिष्ठा तथा समाज और विश्व में शांति, आनंद एवं स्वास्थ्य के संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध रहने की शपथ दिलाई। साथ ही, सफेद गुब्बारे उड़ाकर विश्व शांति एवं निरोगी

■ आबू राज में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल ने उपस्थित जनसमूह को मन की स्थिरता, आत्म विश्वास, कर्तव्य निष्ठा, समाज व विश्व में शांति, आनंद एवं स्वास्थ्य के संवर्धन के लिये प्रतिबद्ध रहने की शपथ दिलाई।

राजस्थान का संदेश दिया गया।

इस दौरान पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटा राम देवासी, उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री केके विश्वाकर्ष, सांसद मदन राठौड़, लुम्बामार चौधरी, विधायक समाराम, मुख्य सचिव वी श्रीनिवास सहित, अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं आमजन उपस्थित थे।

पूर्व मुख्यमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) ईडी की जांच उस कथित वित्तीय लेनदेन से जुड़ी है, जिसमें खनन कंपनी कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) द्वारा वीणा की आईटी कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, जो अब बन्द हो चुकी है, को 2.78 करोड़ रुपये का भुगतान किए जाने का आरोप है। जांच एजेंसी का दावा है कि यह राशि कंपनी को किसी सेवा के बदले नहीं दी गई थी। ईडी का आरोप है कि भुगतान के बावजूद एक्सालॉजिक ने कोई वास्तविक सेवा प्रदान नहीं की। इसी आधार पर एजेंसी इस पूरे लेनदेन को सदिग्ध मानते हुए मनी लॉण्डरिंग के पहलू को जांच कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक, 17 जून को हुई पहली पूछताछ के दौरान वीणा के बयान दर्ज किए गए थे। इसके बाद एजेंसी ने उपलब्ध दस्तावेजों, बैंक रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों का विश्लेषण किया। जांच के दौरान कुछ और तथ्यों को स्पष्ट करने की जरूरत महसूस की गई, जिसके बाद ईडी ने वीणा को दोबारा तलब करने का फैसला किया। बताया जा रहा है कि अब तक इस मामले में चार अन्य आरोपियों के बयान भी दर्ज किए जा चुके हैं। 19 जून को ईडी अधिकारियों ने तिरुवनंतपुरम में वीणा के बैंक लॉकरों का भी निरीक्षण किया था।

रविवार को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) लोकतंत्र के साथ खड़े हैं। जंतर-मंतर पर भारी संख्या में एकत्रित प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेश प्रधान से तुरंत पद छोड़ने की मांग की है।

क्या इजरायल का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) अमेरिकी पैट्रियट तथा थाड (टी.एच.ए.ए.डी.) रक्षा प्रणालियां भी इजरायल को सुरक्षा मजबूत करने के लिए तैनात की गई हैं। एकमात्र क्षेत्र, जहां इजरायल वास्तव में आत्मनिर्भर माना जाता है, वह उसका रणनीतिक प्रतिरोधक (स्ट्रेटिजिक डिटेरेंट) तंत्र है। इसमें स्वदेशी जेरिको-तीसरी मिसाइल प्रणाली और जर्मनी निर्मित पनडुब्बियां शामिल हैं, जो उसे समुद्र आधारित परमाणु क्षमता प्रदान करती हैं। हालांकि, उसके, देश में डिजाइन किए गए मर्कवा टैंक भी अमेरिका में बने इंजनों पर निर्भर हैं।

विशेषज्ञों की व्यापक राय है कि यदि अमेरिकी समर्थन अचानक समाप्त हो जाए तो इजरायल को गंभीर झटका लगेगा। स्पेयर पार्ट्स की निरंतर आपूर्ति बंद होने पर उसकी वायु सेना के बड़े हिस्से को संचालित रखना कठिन हो जाएगा। लंबे संघर्ष की स्थिति में उसके गोला-बारूद के भंडार भी अपेक्षाकृत जल्दी समाप्त हो सकते हैं।

इजरायल की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के पूर्व उपप्रमुख चक फ्राइलिक के अनुसार, यह निर्भरता केवल गोला-बारूद तक सीमित नहीं है, बल्कि सेना के लगभग हर स्तर तक फैली हुई है, यदि उन्हें डिजिटल करने के लिए अमेरिका से एयरक्राफ्ट मंगाने पड़ें।

लागत भी एक बड़ी बाधा है। फ्राइलिक ने 1980 के दशक में इजरायल द्वारा अपना लड़ाकू विमान विकसित करने के असफल प्रयास का उदाहरण दिया। इस परियोजना पर राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद का लगभग

पांचवां हिस्सा खर्च हो गया था, लेकिन अंततः इसे बंद करना पड़ा। पूर्व आईडीएफ उपप्रमुख उजी दयान ने भी यही राय व्यक्त की। उनका कहना था कि इजरायल जैसे अपेक्षाकृत छोटी अर्थव्यवस्था के लिए अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों का स्वतंत्र विकास आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं है। इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान की एक रिपोर्ट ने भी निष्कर्ष निकाला कि पूर्ण सैन्य आत्मनिर्भरता को बात व्यावहारिक दृष्टि से केवल एक कल्पना है।

यह निर्भरता केवल इजरायल की अपनी सैन्य क्षमता को ही प्रभावित नहीं करती, बल्कि उन देशों को भी प्रभावित करती है जो उससे हथियार खरीदते हैं।

भारत ने लगभग बीस वर्ष पहले इसका प्रत्यक्ष अनुभव किया था, जब ग्रीन पाइन रडार और फाल्कन हवाई प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली की खरीद के लिए अमेरिकी मंजूरी आवश्यक थी। हालांकि, ये इजरायली टैक्नॉलजी के रूप में ब्रेण्डेड थे, लेकिन इन्हें अमेरिकी कंपनियों के साथ मिलकर विकसित किया गया था। यरुशलम से चाहे जितने भी स्वतंत्रता के दावे किए जाएं, व्यावहारिक वास्तविकता यही है कि इजरायल की रक्षा क्षमता और सैन्य शक्ति का प्रदर्शन अब भी वॉशिंगटन से गहराई से जुड़ा हुआ है। दोनों देशों के संबंधों में समय-समय पर तनाव आ सकता है, लेकिन दोनों पक्षों के पास इस साझेदारी को बनाए रखने के मजबूत कारण हैं। फिलहाल पूर्ण अलगाव की संभावना वास्तविकता से अधिक राजनीतिक बयानबाजी ही दिखाई देती है।

तुषार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) तीन साल के कार्यकाल के लिए और फिर 2023 में पुनः नियुक्त किया। नवीनतम कार्यकाल विस्तार के साथ, मेहता सालिसिटर जनरल के रूप में लगभग आठ वर्ष पूरे कर चुके हैं और नए कार्यकाल के अंत तक इस पद पर 11 वर्ष पूरे करने वाले हैं, जिससे वे देश के इतिहास में सबसे लंबे समय तक इस पद पर सेवा देने वाले विधि अधिकारियों में से एक बन जाएंगे।

सालिसिटर जनरल के रूप में, मेहता ने सर्वोच्च न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालयों के समक्ष कई महत्वपूर्ण संवैधानिक, नीतिगत और आपराधिक मामलों में केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व किया है।

नीट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) इंजेक्शन लगाया गया, लेकिन उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ।

जब परिजनों ने सख्ती से पूछा तो सिमरन ने बताया कि उसने घर में रखा कीटनाशक पी लिया है। इसके बाद परिजन उसे गंभीर हालत में हिसार के सर्वेश अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पिता रोहतारा से बताया कि सिमरन को देखकर नहीं लगा कि वह आत्महत्या कर लेगी। वह नामल लग रही थी और उसने रातभर पढ़ाई भी की थी। सुबह उसने बताया था कि वह 11 बजे घर से पेपर देने के लिए निकलेगी। इससे पहले यह हादसा हो गया।

भारत की प्राचीन परम्परा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) रखने का मार्ग दिखाता है। योग जीवनशैली में संतुलन लाता है तथा व्यक्ति को उम्र बढ़ने के बावजूद ऊर्जावान बनाए रखता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्रीकृष्ण ने भी गीता में योग के महत्व का उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि समाज स्वस्थ होगा तो देश भी स्वस्थ बनेगा।

प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद रेड रोड पर सामूहिक योगाभ्यास शुरू हुआ। इस बीच मुख्यमंत्री शुभेन्द्र अधिकारी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में योग की पुरानी परंपरा रही है। प्रधानमंत्री की उपस्थिति से राज्य

में योग दिवस का आयोजन ऐतिहासिक बन गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक पश्चिम बंगाल में योग दिवस को लेकर सरकारी स्तर पर कोई विशेष पहल नहीं हुई, लेकिन अब राज्य में योग के प्रति लोगों का उत्साह बढ़ा है।

रेड रोड पर मुख्य योग कार्यक्रम सुबह करीब 6:30 बजे शुरू हुआ। कार्यक्रम में लगभग 35 हजार लोगों के प्रधानमंत्री के साथ योगाभ्यास में शामिल होने की व्यवस्था की गई थी।

योग दिवस के कार्यक्रम में भाग लेने वाले लोगों की सुविधा के लिए रविवार तड़के से कोलकाता मेट्रो की

सेवाएं शुरू कर दी गई थीं। ब्लू लाइन, ग्रीन लाइन सहित, शहर की सभी मेट्रो लाइनों पर सुबह 4 बजे के कुछ समय बाद से सेवाएं चालू कर दी गईं, ताकि दूरदराज से आने वाले प्रतिभागी समय पर रेड रोड पहुंच सकें।

प्रधानमंत्री के दौर को देखते हुए, रेड रोड और आसपास के क्षेत्रों में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए भी विशेष प्रबंध किए गए थे। कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश के लिए निर्धारित समय और सुरक्षा जांच की व्यवस्था की गई थी।

भाषण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) वाकी नेता यहां कूड़ा उठाने आए हैं?" उन्होंने कार्यकर्ताओं को अनुशासन बनाए रखने की नसीहत देते हुए कहा कि कांग्रेस में व्यक्ति पूजा के लिए कोई स्थान नहीं है और पार्टी किसी भी व्यक्ति से बड़ी है। उन्होंने कहा कि चाहे कोई नेता कितना भी बड़ा क्यों न हो, संगठन सर्वोपरि है। कांग्रेस पार्टी ने ही नेताओं को पहचान और ताकत दी है, इसलिए संगठन और अनुशासन को बनाए रखना सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है।

दिसम्बर में हो सकता है भारत व यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौता

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स से कहा कि यह समझौता फरवरी में लागू हो जायेगा

नई दिल्ली, 21 जून। भारत, और 27 देशों के संगठन यूरोपीय संघ के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौता इस साल दिसंबर तक हस्ताक्षरित हो जाएगा। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को मुंबई में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के साथ बातचीत में यह घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस ऐतिहासिक समझौते को अगले साल फरवरी-मार्च के दौरान पूरी तरह लागू किए जाने की संभावना है।

इसी साल 27 जनवरी को भारत और यूरोपीय संघ ने वार्ता के निष्कर्ष की घोषणा की थी। इसे व्यापार की दुनिया में सभी

■ गोयल ने कहा कि लगभग शून्य शुल्क होने से स्थानीय उद्योग को सीधा लाभ मिलेगा। यूरोपीय संघ से आने वाली लग्जरी कारों व वाइन पर आयात शुल्क कम होने से ये उत्पाद भारत में सस्ते हो जायेंगे।

समझौते की मांग (मदर ऑफ ऑल डीलस) कहा जा रहा है। पीयूष गोयल ने कहा कि अब लगभग शून्य शुल्क के साथ, पूरा यूरोपीय बाजार हमारे लिए खुल जाएगा। इस समझौते के लागू होते ही भारत के व्यापारिक रिश्तों को एक नई और अभूतपूर्व उड़ान मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि पूरी दुनिया

इस समय भारत की तरफ बेहद उम्मीद से देख रही है। इस ऐतिहासिक भारत-ईयू समझौते के तहत, भारतीय खेपों (शिपमेंट्स) के लगभग 93 प्रतिशत हिस्से को यूरोपीय बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। इसका सीधा फायदा भारतीय निर्यातकों और स्थानीय उद्योगों को होगा।

इसके साथ ही, यूरोपीय संघ से भारत आने वाली लकजरी कारों और वाइन पर आयात शुल्क कम होगा, जिससे ये उत्पाद भारत में सस्ते हो जाएंगे। आर्थिक आंकड़ों के लिहाज से यह बेहद मजबूत साझेदारी है। भारत और यूरोपीय संघ मिलकर वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 25 प्रतिशत हिस्सा संभालते हैं। इसके अलावा, दोनों पक्ष अंतर्राष्ट्रीय व्यापार (लगभग 33 ट्रिलियन डॉलर) का एक-तिहाई, यानी लगभग 11 ट्रिलियन डॉलर, यानी करीब 10,38,52,380.5 करोड़ रुपये का प्रतिनिधित्व करते हैं।

GOT THE LOOKS GOT THE EDGE

VICTORIS
EDGE EDITION

Now Available
at ₹ 13 79 900*

WITH GOT IT ALL FEATURES:

PANORAMIC SUNROOF

LUXURIOUS WHITE INTERIORS

DOLBY ATMOS SPATIAL SOUND EXPERIENCE

LEVEL 2 ADAS WITH 10+ FEATURES

64-COLOUR AMBIENT LIGHTING

SCAN AND CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU

E-BOOK TODAY AT
WWW.MARUTISUZUKI.COM

CONTACT US AT **1800-102-1800**

*Price for ex-showroom (Delhi) for ZXI (O) MT Monotone variant is ₹13 79 900. Applicable T&C available at the nearest dealership. Creative visualization. Images used are for illustration purposes only. Car colour may vary due to printing on paper. ADAS features are for driver assistance only. Driver is responsible for safe and attentive driving. Features may vary by model/conditions. For details on functioning of safety features including airbags, kindly refer to the Owner's Manual. Dolby, Dolby Audio, Dolby Atmos, and the double-D symbol are registered trademarks of Dolby Laboratories Licensing Corporation.